दिव्य दिनकर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 12 अकं :247 रांची (झारखंड) गुरुवार 19 जून 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

पीएम मोदी और मार्क कार्नी ने भारत-कनाडा संबंधों के लिए संतुलित कदम उठाने पर सहमति जताई : विदेश सचिवविक्रम मिस्री

नई दिल्ली। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से पीएम मोदी की मुलाकात में दोनों देशों ने आपसी संबंधों को बहाल करने के लिए संतुलित कदम उठाने पर सहमति जताई है। भारत के विदेश सचिव के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच 'बहुत सकारात्मक और रचनात्मक बैठक' हुई और वे संबंधों में स्थिरता लाने के लिए 'सुनियोजित कदम÷ उठाने पर सहमत हुए।

मिस्री ने कहा, ÷प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कुछ समय पहले ही कनाडा के कनानास्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एक बहुत ही सकारात्मक और रचनात्मक बैठक संपन्न की है।' बैठक में भारत-कनाडा संबंधों को मजबूत करने की पारस्परिक इच्छा को रेखांकित किया गया, जिनमें हाल ही में तनाव देखा गया है। मिस्री ने कहा, 'बैठक में भारत-कनाडा संबंधों के महत्व पर चर्चा की गई, जो साझा मूल्यों, लोकतंत्र और कानून के शासन, लोगों के बीच संपर्क और कई अन्य समानताओं पर आधारित है। शुरुआती कदम के तौर पर, दोनों नेताओं ने जल्द से जल्द एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों को बहाल करने पर सहमति जताई। मिस्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री इस बेहद महत्वपूर्ण रिश्ते में स्थिरता बहाल करने के लिए सावधानी से कदम उठाने पर सहमत हुए और इनमें से पहला कदम जिस पर सहमति बनी,

वह जल्द से जल्द एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों को बहाल करना था। अन्य कूटनीतिक कदम ' भी समय के साथ उठाए जाएंगे।इसके अलावा, दोनों पक्षों ने विभिन्न मोर्चों पर वरिष्ठ और कार्यकारी स्तर के तंत्र को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया। वे व्यापार, लोगों के बीच संपर्क और कनेक्टिविटी से संबंधित कई क्षेत्रों में वरिष्ठ और कार्यकारी स्तर के तंत्र और चर्चाओं को फिर से शुरू करने पर भी सहमत हुए। चर्चा में रुकी हुई व्यापार वार्ताओं पर भी चर्चा हुई, जिन्हें जल्द ही फिर से शुरू करने के निर्देश दिए गए। मिस्री ने कहा, 'दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता फिलहाल रुकी हुई है, जिसे देखते हुए दोनों नेताओं ने अपने अधिकारियों को इसे जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश देने का भी फैसला किया। दोनों नेताओं ने संपर्क में बने रहने और जल्द से जल्द एक बार फिर मिलने पर सहमति जताई।' प्रधानमंत्री मोदी ने जी-7 के निमंत्रण के लिए कार्नी को धन्यवाद दिया और 2015 में कनाडा की अपनी पिछली यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा, एक बार फिर कनाडा आना मेरे लिए सम्मान की बात है। जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत ने जो मजबूत नींव रखी थी, उसने जी7 शिखर सम्मेलन में एक नया आकार लिया है और इसके क्रियान्वयन को नई दिशा दी है।

एक्सिओम मिशन-4 की लॉन्चिंग 22 जून को संभावित

एजेंसी

नई दिल्ली। एक्सिओम मिशन-4 के प्रक्षेपण (लॉन्चिंग) की नई संभावित सामने आ गई है। संभावित लॉन्च तिथि 22 जून हो सकती है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज सुबह अपने एक्स हैंडल पर यह जानकारी देते हुए कुछ महत्वपूर्ण ब्योरा जारी किया है। इसरो ने लिखा है, इसरो, पोलैंड और हंगरी की टीमों ने एक्सिओम मिशन -4 की संभावित लॉन्च टाइमलाइन के बारे में एक्सिओम स्पेस के साथ विस्तृत चर्चा की। इसके बाद, एक्सिओम स्पेस ने कई तत्परता मापदंडों का आकलन करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) और स्पेसएक्स के साथ परामर्श किया। इसरो ने एक्स पर बताया कि स्पेसएक्स फाल्कन-9 लॉन्च वाहन, ड्रैगन अंतरिक्ष यान की तत्परता की स्थिति, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ज्वेज्दा मॉड्यूल में मरम्मत, चढ़ाई गलियारे की मौसम की स्थिति और संगरोध में चालक दल के स्वास्थ्य और तैयारियों के आधार पर एक्सिओम स्पेस ने सूचित किया है कि अगली संभावित लॉन्च तिथि 22 जून 2025 है। एक्सिओम मिशन-4 की खास बात यह है कि नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस में मानव अंतरिक्ष उड़ान की निदेशक पैगी व्हिटसन वाणिज्यिक मिशन की कमान संभालेंगी, जबकि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पायलट के रूप में काम करेंगे। दो मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी परियोजना अंतरिक्ष यात्री स्लावोज उज्नान्स्की-विस्निएव्स्की और हंगरी के टिबोर कपू हैं। चालक दल फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए से फाल्कन-9 पर स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार होकर उड़ान भरेगा।

मणिपुर में तीन उग्रवादी सहित पांच लोग गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने पिछले 24 घंटों के दौरान तीन अलग-अलग घटनाओं में तीन उग्रवादियों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामफेल थाना क्षेत्र के चिंगमेइरोंग ममांग लेइकाई से एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादी लोगों से जबरन वसूली के मामले में संलिप्त था। वहीं, सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग खा खुनौ इलाके से एक महिला सहित दो उग्रवादियों को भी गिरफ्तार किया है। सुरक्षा बलों ने लामफेल थाना क्षेत्र के तहत लैरीकेंगबाम माखा लेइकाई से एक व्यक्ति को अवैध हथियार और गोला-बारूद रखने के आरोप में गिरफ्तार किया।मणिपुर पुलिस ने पिछले 15 जून को सोशल मीडिया (फेसबुक) प्लेटफॉर्म पर बिष्णुपुर जिले के फुबाला में गोलीबारी की झूठी सूचना फैलाने के सिलसिले में बिष्णुपुर वार्ड नंबर 3 मानिंग लेइकाई एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

मध्यप्रदेश में पर्यटकों की संख्या में 500 फीसदी से ज्यादा का इजाफा : यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कहा कि राज्य में पर्यटकों की संख्या में पिछले चार साल में 500 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने देश-विदेश के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में राज्य में पर्यटन के लिए आने का आग्रह किया। डॉ यादव ने एक्स पोस्ट में कहा,

मध्यप्रदेश की पुण्य धरा पर्यटकों की पहली पसंद बन गई है। 2020 की तुलना में 2024 में यहां देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में 526 प्रतिशत की वृद्धि हम सभी के लिए हर्ष, आनंद और गौरव का विषय है। सभी को आमंत्रण है, प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धता और अद्भुत वन्य सम्पदा से परिपूर्ण मध्यप्रदेश में अवश्य पधारें। राज्य में धार्मिक, वन्य और सांस्कृतिक पर्यटन की अनेक प्रकार की संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश में बाघों के बाद अब चीतों की बसाहट से पर्यटन के क्षेत्र में और द्वार खुल गए हैं। राज्य में धार्मिक पर्यटन के लिए उज्जैन, ओंकारेश्वर, खजुराहो, चित्रकूट, मैहर, दतिया, ओरछा और सीहोर का सलकनपुर, मंदसौर का पशुपतिनाथ, आगर-मालवा का नलखेड़ा मंदिर प्रसिद्ध हैं। वन्य जीव पर्यटन में मंडला का कान्हा, उमरिया का बांधवगढ़, सिवनी का पेंच, पन्ना, होशंगाबाद का सतपुड़ा, श्योपुर का कूनो, भोपाल का रातापानी और शिवपुरी का माधव टाइगर रिजर्व प्रमुख अभयारण्य हैं।

भजनलाल ने किया योग

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) से पूर्व बुधवार सुबह यहां योग किया। श्री शर्मा ने सुबह मुख्यमंत्री निवास पर योग किया। योग दिवस से पूर्व योग साधकों, बच्चों और मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने भी योग अभ्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संदेश दिया कि सभी नियमित रूप से योग करें। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजनों में सभी बढ़ चढ़कर भाग लें।

दिल्ली से बाली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ज्वालामुखी विस्फोट की वजह से वापस लौटी

नई दिल्ली । इंडोनेशिया के रिसॉर्ट द्वीप बाली से आने-जाने वाली दर्जनों उड़ानें बुधवार को माउंट लेवोटोबी लाकी-लाकी ज्वालामुखी के फटने के बाद रद्द कर दी गईं, जिसके बाद एयर इंडिया की दिल्ली से बाली जाने वाली फ्लाइट एआई2145 को यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए वापस दिल्ली लौटने की सलाह दी गई। यह विस्फोट फ्लोरेस के पूर्वी द्वीप पर हुआ। 1,584 मीटर ऊंचे ज्वालामुखी को देखते हुए अधिकारियों को इंडोनेशिया के चार-स्तरीय पैमाने पर इसके अलर्ट स्टेटस को उच्चतम स्तर तक बढ़ाना पड़ा। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, ÷एआई2145 फ्लाइट सुरक्षित रूप से दिल्ली वापस लौट गई है और सभी यात्री उतर गए हैं। प्रवक्ता ने कहा, यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हम खेद व्यक्त करते हैं। प्रभावित यात्रियों को होटल में ठहरने की सुविधा प्रदान कर उन्हें हुई परेशानी को दूर करने का हर संभव प्रयास किया गया है। अगर यात्री चाहें तो कैंसलेशन या कॉम्प्लीमेंट्री रिशेड्यूलिंग पर उन्हें पूरा रिफंड भी ऑफर किया जा रहा है। बाली एयरपोर्ट ऑपरेटर अंगकासा पुरा इंडोनेशिया के अनुसार, पूर्वी नुसा तेंगारा में लेवोटोबी लाकी-लाकी ज्वालामुखी के कारण गुस्ती नगुराह राय एयरपोर्ट पर कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। एयरएशिया द्वारा संचालित कई घरेलू उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। जेटस्टार ने कहा कि बाली से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, लेकिन राख का बादल साफ होने की उम्मीद के कारण दोपहर की कुछ उड़ानें शाम तक के लिए टाल दी गई हैं।

बाली के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वेब पोर्टल पर एयर न्यूजीलैंड, सिंगापुर की टाइगरएयर और चीन की जुनेयाओ एयरलाइंस की उड़ानें भी रद्द दिखाई गई हैं। इंडोनेशिया डिजास्टर मिटिगेशन एजेंसी ने कहा कि मंगलवार देर रात ज्वालामुखी के आसपास के गांवों पर इसकी राख गिरनी शुरू हो गई थी, जिसे देखते हुए एक बस्ती को खाली करवाना पड़ा।

भारत ने कभी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया

ट्रंप के साथ बातचीत में पीएम मोदी की दो टूक

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-पाकिस्तान सीजफायर को लेकर स्पष्ट कर दिया है कि इसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ 35 मिनट चली बातचीत में पीएम मोदी ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत ने कभी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया है और भविष्य में भी ऐसी मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करेगा। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मीडिया को इस बातचीत की जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री के मुताबिक, पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत हुई है। दोनों नेताओं की

मुलाकात कनाडा में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान होनी थी, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप को जल्दी वापस अमेरिका लौटना पड़ा, जिसके कारण ये मुलाकात नहीं हो पाई। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप के आग्रह पर आज दोनों लीडर्स की फोन पर लगभग 35 मिनट तक बात हुई। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच ये पहली बातचीत हुई। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया, पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट रूप से कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में कभी भी और किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या अमेरिका की ओर से भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी। सैन्य कार्रवाई रोकने की बात सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच हुई। दोनों सेनाओं की बात मौजूदा चैनल्स के माध्यम से हुई थी। पाकिस्तान के ही आग्रह पर ये बातचीत हुई थी। पीएम मोदी और ट्रंप की बातचीत को लेकर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तार से बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से कहा कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 6-7 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया था।

दिल्ली में कोरोना का कहर, एक और हुई मौत; अब तक संक्रमण से 13 की गई जान

एजेंसी

जयपुर । कोरोना से दिल्ली में एक और मौत की खबर सामने आई है। 65 वर्षीय बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया है। बुजुर्ग मुंह के कैंसर और किडनी संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। दिल्ली में कोरोना के 620 सक्रिय मरीज और 13 लोगों मौत हो चुकी है।

बीती 15 जून को कोरोना की वजह से पहली बार एक दिन में तीन लोगों की मौत हुई। कोरोना से दिल्ली में तब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी थी। जिन तीन लोगों की मौत हुई है उनमें दो महिला और एक पुरुष शामिल है। 57 वर्षीय महिला को मधुमेह, फेफड़े की समस्या थी। 57 वर्षीय पुरुष को मधुमेह, फेफड़े की समस्या थी। वहीं, 83 वर्षीय महिला को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, फेफड़े की समस्या थी। हालांकि, कोरोना के सक्रिय मरीजों में तीन दिन से गिरावट देखी गई है। बीते शनिवार को सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 672 रह गई। कोई नया मामला भी दर्ज नहीं किया गया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के कोविड डैशबोर्ड के अनुसार, 24 घंटे में 212 मरीजों

ने कोरोना को मात दी। दिल्ली में एक जनवरी से अब तक 1960 कोरोना के मरीज सामने आए हैं जिनमें से 11 मरीजों की मौत हो गई। देश में दिल्ली कोरोना के कुल मामलों में दूसरे नंबर पर है। नए वैरिएंट्स आमतौर पर तेजी से फैलते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे पहले जितने घातक हों। बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे और पहले से बीमार व्यक्ति सबसे ज्यादा जोखिम में रहते हैं। हल्के लक्षणों से शुरू होकर गंभीर सांस की दिक्कत तक मामला जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर घबराने या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि सर्दी जुकाम के साथ सांस लेने में दिक्कत से पीड़ित होने वाले मरीजों को डॉक्टर से मिलकर जांच कराना चाहिए। अधिकतर लोग घर पर रहकर ही ठीक हो जा रहे हैं, इसलिए संक्रमण की स्थिति में भी ज्यादा परेशान होने या अस्पताल भागने की जरूरत नहीं है।

बुलंदशहर में दर्दनाक सड़क हादसा, कार में आग लगने से एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जले

एजेंसी

बुलंदशहर । उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के थाना जहांगीराबाद क्षेत्र में सुबह एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा जहांगीराबाद-बुलंदशहर मार्ग पर ग्राम जानीपुर के पास हुआ, जब एक स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पुलिया से टकरा गई और उसमें आग लग गई। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ। कार में सवार छह लोग जनपद बदायूं के थाना सहसवान क्षेत्र के चमनपुर में एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद दिल्ली के मालवीय नगर लौट रहे थे। प्राथमिक जांच में पता चला है कि चालक को नींद की झपकी आने के कारण कार अनियंत्रित होकर पुलिया से टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में तुरंत आग भड़क उठी, जिसने देखते ही देखते पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही जहांगीराबाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और

बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक कार में सवार पांच लोगों की जलकर मौत हो चुकी थी। हादसे में एकमात्र जीवित बची 28 वर्षीय गुलनाज को गंभीर हालत में निकालकर जहांगीराबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

बुलंदशहर के एसपी देहात डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में चालक की लापरवाही को हादसे का प्रमुख कारण माना है। मामले की गहन जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में अपराधियों पर हाई ऑक्टेन अभियान चलाने के निर्देश, कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता: सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति और आबकारी नीलामी की प्रगति की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान अपराधियों के खिलाफ 'हाई ऑक्टेन अभियान'चलाने और हरियाणा में पुलिस की प्रभावी व उत्तरदायी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कुरुक्षेत्र में एक आबकारी लाइसेंसधारी की हत्या की रिपोर्ट पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि

जिन नागरिकों को धमकी या फिरौती संबंधी कॉल मिल रही हैं, उन्हें त्वरित सुरक्षा प्रदान की जाए। इस उद्देश्य के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर जारी कर उसे इमरजेंसी सेवा '112' से लिंक करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने आबकारी एवं कराधान विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आबकारी नीलामी की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने और राज्य को मिलने वाले राजस्व को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आबकारी नीलामी में, अब तक विभाग 934 आबकारी जोन की नीलामी के साथ अधिकांश आबकारी जोन की नीलामी करने में सक्षम रहा है और पिछले वर्ष के 5037 करोड़ रुपये की तुलना में इस बार 11,054 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है। नीलामी के दौरान अब तक अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस बल को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि धरातल पर पुलिस की उपस्थिति ऐसी होनी चाहिए जिससे जनता सुरक्षित महसूस करे और गलत काम करने वालों व असामाजिक तत्वों के बीच कानून का डर पैदा हो।

योगी ने लगाया जनता दरबार,जन समस्यायों के निराकरण के निर्देश

एजेंसी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ जन-समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए । गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री एक एक कर कुर्सियों पर बैठे फरियादियों के बीच गये और उनकी समस्यायों को गंभीरता से सुना। उन्होने संबंधित अधिकारियों को पीड़ितो की समस्या के निराकरण के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि दबंगों और भूमाफियाओं के खिलाफ कतई नरमी नहीं बरती जायेगी और जनता की समस्यायों का प्राथमिकता से निराकरण हर अधिकारी की जिम्मेदारी है और इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

आगरा में दो सड़क हादसों में छह लोगों की मौत

एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में मंगलवार देर रात और बुधवार की सुबह हुई दो अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की जान चली गई और करीब 33 लोग घायल हो गए। सुबह टहलने निकले लोगों पर एक मैक्स गाड़ी पलट गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। इससे पहले लखनऊ एक्सप्रेस वे पर खड़े ट्रक में बस पीछे से टकरा जाने से दो लोगों की जान चली गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में बुधवार की सुबह मैक्स (मिनी ट्रक) पलट गई। हादसे की चपेट में आने से टहलने निकले तीन लोगों और मैक्स चालक की मौत हो गई। यह हादसा शाहदरा फ्लाई ओवर पर हुआ। लखनऊ मंडी से आम भरकर ला रही मैक्स गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर में टकराई और पलट गई। हाईवे किनारे टहलने के लिए निकले तीन लोग मैक्स के नीचे दब गए। चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों को उपचार के लिए जब तक अस्पताल भेजा जाता, तब तक चार की मौके पर ही मौत हो गई।मैक्स गाड़ी का क्लीनर भी गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। माना जा रहा है कि चालक को झपकी आने से यह हादसा हुआ। हादसे में शाहदरा निवासी राजेश (55), रामेश्वर (60), हरीबाबू (63) और गाड़ी चालक कृष्णा की मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने पंचायती राज विभाग से संबंधित समीक्षा की बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग से संबंधित निम्न बिंदुओं पर समीक्षा की बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने 15 वें वित्त आयोग, पंचायत सचिवालय के प्रतिदिन खुलने और रोस्टर के अनुरूप कर्मियों के उपस्थिति की स्थिति, पंचायत से निर्गत जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के अभिलेख संधारण की स्थिति, पंचायत ज्ञान केंद्र के संचालन की स्थिति,पंचायत द्वारा संधारित सभी पंजियों के अद्यतन की स्थिति, पी० ए० आई० अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में इंडेक्स के प्रदर्शन की स्थिति,धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, नशा मुक्ति अभियान, आदर्श पंचायत सचिवालय, ग्राम पंचायत समन्वय समिति की बैठक की स्थिति, ग्राम पंचायत के कार्यकारिणी के बैठक की स्थिति, स्थायी समिति के बैठक की स्थिति, ग्राम पंचायतों में माइग्रेशन एवं शादी से संबंधित रिकॉर्ड संधारण की स्थिति की समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उक्त बैठक में प्रभारी परियोजना प्रबंधक,ई० पंचायत, सभी प्रखंडों के प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, सभी प्रखंड समन्वयक, पंचायत राज स्वशासन परिषद,सभी कनीय अभियंता एवं सभी लेखालिपिक-सह-कंप्यूटर ऑपरेटर एवं अन्य उपस्थित थें।

बीएलओ एवं सुपरवाइजर्स को मिला प्रशिक्षण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर देवीपुर प्रखंड सभागार में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश बारला अध्यक्षता में देवीपुर प्रखंड क्षेत्र में पड़ने वाला मधुपुर और देवघर विधानसभा क्षेत्र में कार्यरत सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर्स को मतदान केंद्रों का नजरी नक्शा तैयार करने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि विधानसभा क्षेत्र में जितने भी बूथ है सभी का मैप तैयार करना है। मैप में सभी बिंदुओं सड़क, घर, सरकारी भवन को दशार्ना है। ताकि मैप के माध्यम से कोई भी व्यक्ति आसानी से मतदान केंद्र तक पहुंच सके। वहीं मतदाताओं को मतदान केंद्र तक जाने के लिए विभिन्न सड़कों को मार्क करना है। नजरी नक्शा तैयार कर टाइम लाइन के साथ प्रखंड कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया। ये कार्य के लिए सुपरवाइजर की बहुत बड़ी जिम्मेवारी है। एक-एक सुपरवाइजर के अंदर करीब दस दस बीएलओ है। कहा कि नजरी नक्शा बनाने के समय अक्षांतर और देशांतर का विशेष ख्याल रखें। इसको लेकर ऑपरेटर सौरभ कुमार ने प्रोजेक्टर के माध्यम से सबों को हर एक बिंदु पर जानकारी दिया। दो पाली में सभी बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ राजेश बारला ने बीएलओ को निर्देश दिया कि मतदान का कार्य काफी महत्वपूर्ण होता है। इसलिए आदेश का पालन करें. नजरी नक्शा जमा करने का अंतिम तिथि 28 जून तक है। लेकिन इससे पहले नक्शा तैयार कर कार्यालय में 26 जून को ही जमा कर दें ताकि उसका जांच कर जिला भेजा जा सके। मौके पर एसडीओ कार्यलय कर्मी राजेश झा, अभिनाश गिरी, अंचल अमीन संतोष कुमार, सभी सुपरवाइजर और बीएलओ मौजूद थे।

संताल परगना चैंबर चुनाव 2025-27: नामांकन के तीसरे दिन तीन और नामांकन दाखिल

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, देवघर के आगामी सत्र 2025-27 के लिए चल रही चुनावी प्रक्रिया में आज नामांकन के तीसरे दिन कार्यकारिणी सदस्य के लिए कुल तीन नए नामांकन प्राप्त हुए हैं । अध्यक्ष, महासचिव सहित 13 कार्यकारिणी सदस्यों के पदों के लिए यह नामांकन प्रक्रिया 19 जून तक जारी रहेगी। चुनाव पदाधिकारी विभूति ठाकुर ने जानकारी दी कि आज दिनांक 18 जून 2025 को उमेश राजपाल, लक्ष्मण भाई पटेल एवं आलोक ने नामांकन किया। उमेश राजपाल के नाम को आनंद ड्रोलिया ने प्रस्तावित और अरुण साह द्वारा समर्थित किया गया। लक्ष्मण भाई पटेल के नामांकन को अनिल गुप्ता द्वारा प्रस्तावित एवं आनंद कुमार साह द्वारा समर्थित किया गया। वहीं आलोक के नामांकन को संजय कुमार सिंह द्वारा प्रस्तावित एवं नवीन जायसवाल द्वारा अनुमोदित किया गया। चुनाव कार्यालय, जो शिक्षा सभा चौक में स्थित है, प्रतिदिन शाम 5 बजे से 7 बजे तक नामांकन प्रक्रिया के लिए खुला है। नामांकन की अंतिम तिथि 19 जून 2025 है, जिसके बाद किसी प्रकार का नामांकन स्वीकार नहीं किया जाएगा। चुनाव पदाधिकारी ने सभी सदस्यों से अपील की है कि वे एक उत्तरदायी, अनुभवशील और नवोन्मेषी कार्यकारिणी के गठन के लिए आगे आएं और इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सफल बनाएं।

बिजली ट्रांसफार्मर के चपेट में आने से एक किसान का बैल की मौत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमराडीह गांव में बिजली ट्रांसफार्मर के चपेट में आने से एक किसान का बैल की मौत हो गई. जानकारी हो कि सिमराडीह निवासी कार्तिक सिंह का बेस कीमती बैल बिजली ट्रांसफार्मर के पास विद्युत प्रभावित होने के कारण उसके चपेट में आ गया और मौके पर ही मौत हो गई. जिससे पीड़ित किसान को हजारों रुपये के कीमत का बैल था जो मर गया. पीड़ित किसान ने बताया कि मानसून आने से अब खेती शुरू ही होता कि उसका बैल मर जाने से उसे गहरा क्षति हुआ है. लोगों ने बताया कि बिजली ट्रांसफार्मर के पास तार काफी जर्जर हो गया है. जिससे आगे भी मवेशी उसके चपेट में आ सकता है.

संयुक्त सचिव संथाल परगना प्रमंडल के अंतर्गत तीन जिलों के आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का समीक्षा बैठक किया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

विद्यानंद शर्मा पंकज संयुक्त सचिव स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग सह राज्य अभियान निदेशक आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन द्वारा आज देवघर सदर अस्पताल के सभागार में संथाल परगना प्रमंडल अंतर्गत तीन जिलों का आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का समीक्षा बैठक लिया गया।इस बैठक की अध्यक्षता राज्य अभियान निदेश-ाक द्वारा की गई।सिविल सर्जन देवघर डॉ युगल किशोर चौधरी द्वारा बुके दे कर विद्यानंद शर्मा पंकज का अभिनंदन किया गया जबकि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के संयुक्त निदेशक राजन कुमार एवं मोनिका राणा को क्रमश उपाधीक्षक डॉ प्रभात रंजन एवं जिला नोडल पदाधिकारी डॉ शरद कुमार द्वारा बुके दे कर सम्मानित किया गया। बैठक में राज्य अभियान निदेशक द्वारा बताया गया कि इस योजना का लक्ष्य है कि पूरी तरह से स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटलाइजेशन किया जाएगा यह भारत सरकार की महत्वकांशी योजना है जिसको राज्य सरकार पूरी निष्ठा के साथ इस योजना को लागू करने जा रही है।उन्होंने सभी सिविल सर्जन को निदेशित किया कि डीपीसी सहिया और परियोजना समन्वयक के सहयोग से प्रतिमाह कम से कम 15000 लोगो का आभा कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित करे और जो इस

लक्ष्य की प्राप्ति नहीं करेंगे उनका वेतन रोका जाएगा।सभी नागरिकों का आभा कार्ड बनाना अनिवार्य है ,जबकि सभी सरकारी,गैर सरकारी चिकित्सको,नर्सेज और पाराकर्मी का हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री एवं सभी सरकारी गैर सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों का हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री पोर्टल पर होना जरूरी है।साथ ही उन्होंने कहा कि जिन भी चिकित्सकों और नर्सेज का रजिस्ट्रेशन नवीकरण होना अनिवार्य है देवघर जिले में इस योजना अंतर्गत हो रहे कार्यों पर राज्य अभियान निदेशक द्वारा संतोष व्यक्त किया गया,सिर्फ आभा कार्ड बनाने में गति धीमी है उसके लिए उनके द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।उनके द्वारा यह भी कहा गया कि इस योजना को पूर्णतः लागू करने के लिए जो भी मानव बल या उपकरण चाहिए सिविल सर्जन के पास जो भी राशि उपलब्ध है उससे उसे पूरा करें। विद्यानंद शर्मा पंकज द्वारा यह भी बताया गया कि अगले दो से तीन महीनों में मुख्यमंत्री डिजिटल योजना का शुभारंभ हो रहा है जिसमें स्वास्थ्य से जुड़े हुए सभी लोगो का उपस्थिति पोर्टल भी लॉन्च होगा और जिला में सिविल सर्जन जबकि राज्य मुख्यालय से भी सभी लोगो की उपस्थिति मॉनिटर की जाएगी।इस बैठक में मुख्य रूप से दुमका के सिविल सर्जन डॉ बी पी सिंह,दुमका मेडिकल कॉलेज,अस्पताल के अधीक्षक डॉ ए के चौधरी,जामताड़ा सिविल सर्जन डॉ आनंद मोहन सोरेन,उपाधीक्षक डॉ आलोक विश्वकर्मा,राज्य के टेक्निकल सेल से प्रभात गिरी,जिला कार्यक्रम प्रबंधक समरेश सिंह,जिला कार्यक्रम समन्वयक सहिया प्रवीण सिंह,परियोजना समन्वयक सुधांशु रंजन,प्रभारी अस्पताल प्रबंधक अनिमेष घोष,लिपिक चितरंजन विश्वकर्मा, विजय प्रसाद,भंडारपाल मुजफ्फर सहित कई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

30 दिवसीय ड्राइविंग प्रशिक्षण का हुआ समापन, दीदियों के बीच प्रमाणपत्र का किया वितरण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ बुधवार को भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में पलाश जेएसएलपीएस के सखी मंडल के दीदियों का 30 दिवसीय लाइट मोटर व्हीकल ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को समापन हुआ।इस समापन समारोह में डीसी मनीष कुमार, निदेशक आरसेटी पाकुड़ राजेश कुमार मिश्रा, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जेएसएलपीएस प्रवीण मिश्रा और वरिष्ठ संकाय सह कार्यक्रम समन्वयक अमित कुमार बर्धन* ने संयुक्त रूप से सफल प्रतिभागियों के बीच प्रमाणपत्र का वितरण किया। ड-ीसी मनीष कुमार ने अपने संबोधन में दीदियों को प्रशिक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। छोटी गाड़ी और पिंक टोटो चलाकर महिलाएं अच्छी आय कर सकती है। साथ ही सभी को स्वरोजगार स्थापित कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की सलाह दी, ताकि प्रशिक्षण

का उद्देश्य पूरा हो सके। मंच का संचालन करते हुए वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन ने दीदियों को शुभकामनाएं देते आर्थिक समृद्धि होने की बात कही। किसी भी कार्य को सुनियोजित तरीके से करने के लिए आवश्यक जानकारी होना चाहिए, जो प्रशिक्षण से ही संभव है। पाकुड़ जिला की युवाओं और सखी मंडल की महिलाएं स्वरोजगार कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षुओं की ओर से मकलू सोरेन, जोबना पानो मरांडी और आरनेश सोरेन ने अपना अनुभव सा-झा किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन नेशनल एकेडमी ऑफ रू-डसेटी द्वारा प्रतिनियुक्त अधिकारी अरूणनाथ तिवारी और शिवशंकर तिवारी द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षक विरेंद्र कुमार पाण्डे हैं।

कृषि योजनाओं की प्रगति को लेकर आत्मा के तहत समीक्षात्मक बैठक आयोजित

साहिबगंज:

आत्मा सभागार में जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेश-ाक, आत्मा, साहेबगंज प्रमोद एक्का की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक (BTM) एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक (ATM) उपस्थित रहे। बैठक में श्री एक्का द्वारा कृषि विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं यथा बीज विनिमय एवं वितरण योजना, बिरसा फसल विस्तार योजना, ब्लॉकचेन में किसानों का निबंधन, किसान क्रेडिट कार्ड (KCC), मिट्टी नमूना संग्रहण, झारखंड कृषि ऋण माफी योजना आदि की प्रगति की गहन समीक्षा की गई।सभी BTM एवं ATM को निदेशित किया गया कि दिनांक 15.06.2025 से 30.06.2025 तक आयोजित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियानह्व के अंतर्गत अपने-अपने प्रखंडों के PVTG एवं ST समुदाय के किसानों को चिन्हित कर विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। इस अभियान में KCC, पीएम-किसान, फसल बीमा से संबंधित कार्यों को गति देते हुए प्रतिदिन डाटा अद्यतन करने तथा छूटे हुए किसानों का ब्लॉकचेन में निबंधन करवाने का भी स्पष्ट निदेश दिया गया।साथ ही सभी प्रखंडों को विभिन्न बीज वितरण की पूर्व तैयारी करने तथा बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत संकुल चयन में ST/PVTG किसानों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया।बैठक में आत्मा योजना के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय खाद्य स-रक्षा मिशन, किसान समृद्धि योजना समेत अन्य योजनाओं की जानका-री साझा की गई। साथ ही लाभुकों का शीघ्र चयन करने एवं रटअए योजना के अंतर्गत ब्लॉक एक्शन प्लान दो दिनों के भीतर बनाकर समर्पित करने के निर्देश दिये गये।जिला कृषि पदाधिकारी ने सभी कर्मियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों को आत्मा एवं कृषि विभाग से संचालित सभी योजनाओं का लाभ मिले, ताकि वे कृषि क्षेत्र से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें।वहीं आगामी हूल दिवस के मद्देनजर किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत सोलर पंप सेट एवं बीज वितरण हेतु प्रखंड पतना एवं बरहेट के लाभुकों का चयन करने का निर्देश भी दिया गया।बैठक में मुख्य रूप से जिला कृषि अभियंता राम प्रकाश कुमार, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोक्ता, उप परियोजना निदेशक आत्मा मंटू कुमार सहित संबंधित प्रखंडों के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, BTM एवं ATM उपस्थित थे।

जेएसएलपीएस ने जिलेभर में मनाया सखी दिवस, डीसी हुए सामिल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ सखी दिवस के अवसर पर बुधवार को पाकुड़िया प्र-खंड के सीएमटीसी केन्द्र में आयोजित सखी दिवस कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार उपस्थित होकर सभी जेएसएलपीएस के सखी मंडल के दीदियों को बधाई दिया। उपायुक्त ने सीएमटीसी केन्द्र से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुडकर सभी दीदियों को संबोधित किया। उपायुक्त ने उपस्थित सभी सखी दीदियों को सखी दिवस की बधाई दिया और सभी दीदी अच्छे तरीके से कार्य करने को कहा। उपायुक्त ने बताया कि प्रत्येक माह 20 तारीख को जिला के सभी विद्यालय में तिथि भोज सह जन्मोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस बार तिथि भोज का नोडल जेएसएलपीएस है। सखी समूह मिलकर एक एक स्कूल को गोद लेंगे। सभी दीदी अगल बगल के स्कूलों में जाकर बच्चों को

अच्छा खाना खिलाएंगे। साथ ही जिस बच्चे का जन्मदिन जून में उस बच्चे के साथ केक कटिंग करायेंगे। इस तिथि भोज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दीदियों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। साथ ही 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे जिले में मनाया जाएगा। योग दिवस के दिन सभी जगह से योग करते हुए फोटो ग्रुप में आना चाहिए। 24 जून को सभी प्रखंडों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। आप सभी दीदी भी रक्तदान जरूर करें। वही 28 जून को अबुआ आवास योजना का गृह प्रवेश कराया जाता है। उस दिन आप सभी का सकारात्मक भूमिका रहे। उपायुक्त ने बताया कि 16 जून से पूरे जिले में डोर टू डोर अभियान चलाकर एक्टिव केस सर्च अभियान चलाया जा रहे हैं। इस सर्च अभियान में एक ही बार में सभी तरह के एक्टिव केस सर्च किया जा रहा है। आप सभी इसकी मॉनिटरिंग करें। एक भी घर छूटने नहीं चाहिए। इसके अलावा उपायुक्त ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान एवं प्रोजेक्ट प्रकृति के तहत पाकुड़ जिले में पौधारोपण का कार्य लगातार जारी है। उपायुक्त ने सभी दीदियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए कम से कम दो पौधा लगाने हेतु अपील किया। उपायुक्त ने सभी दीदियों से कहा कि अपने बच्चों को रोजाना स्कूल जरूर भेजें। साथ ही दीदियों को घर मे बकरी पालन, मशरूम उत्पाद, स्टोबेरी, सहित अन्य सब्जी का खेती करने को लेकर प्रोत्साहित किया। मौके पर बीडीओ सोमनाथ बनर्जी, जेएसएलपीएस डीपीएम प्रवीण मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे।

विद्यालय में किया मलेरिया एवं डेंगू को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड के स्वास्थ्य उपकेंद्र जसियाडीह एवं धबोबा अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, देवीपुर एवं उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, नावाडीह में स्कूली बच्चों के बीच विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर मलेरिया एवं डेंगू के साथ साथ अन्य वेक्टर जनित रोगों से संबंधित जागरूकता अभियान कार्यक्रम किया गया जिसमें उपस्थित स्कूली बच्चों को मलेरिया एवम डेंगू आदि बीमारियों से बचाव, लक्षण एवं उपचार के बारे में संपूर्ण जानकारी दिया गया एवम साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के साथ सप्ताह में एक दिन सुखा दिवस मनाने, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग, आस पास जल जमाव नहीं होने देना आवश्यक बताया गया, उक्त कार्यक्रम में दिवाकर प्रसाद यादव, एमपीडब्ल्यू एवं सोमनाथ रमानी, एमपीडब्ल्यू उपस्थित थे।

केरेडारी लबनीया मोड़ पर हाइवा और सवारी गाड़ी में भीषण टक्कर, दर्जनों घायल

केरेडारी संवाददाता रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

केरेडारी प्रखंड के लबनीया मोड़ पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में ओपेल कोल ट्रांसपोर्टिंग कंपनी की हाइवा और एक सवारी गाड़ी की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सवारी गाड़ी में सवार दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को त्वरित रूप से केरेडारी स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहाँ डॉक्टरों की टीम ने प्राथमिक उपचार किया। सभी यात्री बड़कागांव क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही भाजपा के स्थानीय नेता अस्पताल पहुँचे और घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों

को निर्देश दिया कि घायलों को हरसंभव बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाए। साथ ही प्रशासन से अपील की कि पीड़ितों को समुचित मुआवजा और सहायता दी जाए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। नाराज लोगों ने लबनीया मोड़ के पास सड़क जाम कर दी और कोयला ढुलाई में लगे ट्रांसपोर्टिंग वाहनों की आवाजाही को रोक दिया। ग्रामीणों ने ट्रांसपोर्ट कंपनी और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उचित मुआवजे और सुरक्षा उपायों की माँग की। ग्रामीणों का कहना है कि कोयला ट्रांसपोर्टिंग वाहनों की तेज रफ्तार और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण इस प्रकार की घटनाएँ लगातार हो रही हैं। उन्होंने प्रशासन से माँग की कि इस पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे दोबारा न हों।

भाजपा कार्यकर्ता जुनियर बाबू ने पार्टी से दिया त्यागपत्र

देवघर।

भारतीय जनता पार्टी के जिला इकाई से जुड़े सक्रिय कार्यकर्ता जुनियर बाबू बाल मरांडी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने त्यागपत्र पार्टी जिला अध्यक्ष को सौंपा, जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पार्टी से खुद को अलग करने की जानकारी दी है। पत्र में जुनियर बाबूलाल ने लिखा है कि वह स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ रहे हैं और इसकी सूचना औपचारिक रूप से जिला अध्यक्ष को दे रहे हैं। उन्होंने निवेदन किया है कि उनके द्वारा दिया गया त्यागपत्र स्वीकार किया जाए। बताते चलें कि जुनियर बाबू बाल मरांडी लंबे समय से भाजपा से जुड़े थे और क्षेत्रीय गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके इस फैसले के बाद स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

उपायुक्त के निदेर्शानुसार विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठान का किया गया निरीक्षण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार आज दिनांक 18.06.2028 को विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया गया। इस दौरान टावर चौक के पास मेसर्स मधुबन स्वीट्स में अनहा-ईजिक तरीके से खाद्य पदार्थ का निर्माण, बासी बचा हुआ खाद्य पदार्थ, तथा पानी टंकी में गंदगी के कारण रुपया 15000/ (रुपया पंद्रह हजार) का अर्थदंड लगाया गया। साथ ही होटल माधुरी के कीचन में बहुत ही गंदगी उपभोग की जा रही पानी की टंकी में गंदगी, कीचन में दुर्गंध के कारण 10,000/- (दस हजार रुपये) का अर्थदंड, होटल सिंधु में किचन (खाद्य पदार्थ निर्माण स्थल में) पानी जमा रहने के कारण, पानी की टंकी में गंदगी के कारण रुपया 10,000/- (रुपये दस हजार) का अर्थदंड, होटल नील कमल में पानी की टंकी आदि में गंदगी के कारण रुपया 5000/- (रुपये पाँच हजार) का अर्थदंड, मेसर्स अम्बर होटल, एस०बी०राय रोड पर पानी की टंकी में गंदगी पायी गयी तथा टकी में काई भी थी के कारण रुपया 5000/- (रुपया पाँच हजार) का अर्थदंड लगाया गया। साथ ही इन प्रतिष्ठानों को दस दिनों के अंदर सुधार करने हेतु आदेशित किया गया। खाद्य प्रतिष्ठान का निरीक्षण टीम में प्रभारी अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, देवघर, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गोल्डन मैन प्रेम सिंह ने बाबा के दरबार में लगाई हाजिरी

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। गोल्डन मैन प्रेम सिंह बुधवार को बाबा बैद्यनाथ के दरबार पहुंचे और उनकी पूजा-अर्चना की। इस दौरान गोल्डन मैन को देखने के लिए मंदिर परिसर में लोगों का तांता लग रहा। प्रेम सिंह करीब 5 किलो सोने पहने हुए थे, जिसकी कीमत 5 करोड़ के आसपास बताई जा रही है। इस दौरान कई लोग उनकी तस्वीर और वीडियो मोबाइल से ले रहे थे। कइयों ने उनके साथ सेल्फी भी खिंचवाई। प्रेम सिंह ने बाबा बैद्यनाथ की पूजा अर्चना कर बिहार समेत पूरे देशवासियों के लिए खुशहाली की कामना की।

सिद्धार्थ प्रकाश (बास्केट बॉल खिलाड़ी) हुआ सम्मानित

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - सैनिक स्कूल नालंदा का पूर्व छात्र सिद्धार्थ प्रकाश बास्केट बॉल खिलाड़ी के रांची आगमन पर छात्र क्लब ग्रुप एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच ने भव्य स्वागत किया। आज युवा खिलाड़ी सिद्धार्थ प्रकाश मंच एवं क्लब से जुड़े खेलप्रेमियों को बास्केट बॉल खेल के विभिन्न पहलुओं एवं बारीकियों की विस्तृत जानकारी देंगें। अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त हुए सिद्धार्थ प्रकाश ने कहा खेल से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है साथ ही अच्छे प्रदर्शन कारी हुनेरवाज खिलाड़ियों को रोजगार भी मिलता है।अपनी इच्छानुसार खेल का चयन कर अभ्यास करते रहना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संतोष कुमार श्रेयांश ने कहा बास्केटबॉल खेल मे बेहतर प्रदर्शन के लिए बोकारो,जमशेदपुर एवं अंबिकापुर मे सिद्धार्थ प्रकाश को कई मेडल भी प्राप्त हो चुके हैं। इसके पूर्व बास्केट बॉल खिलाड़ी सिद्धार्थ प्रकाश रांची के लोकप्रिय सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जी से उनके आवास मे मिलकर आशीर्वाद प्राप्त किया जहां मंत्री श्री संजय सेठ जी ने खिलाड़ी सिद्धार्थ प्रकाश को सम्मानित कर हौसला बढ़ाया।इस अवसर पर क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,संरक्षक रवि मेहता,राहुल कुमार चौधरी, शुभम कुमार चौधरी एवं मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश,संरक्षक ओम प्रकाश शर्मा,पिंटू शर्मा, दीपक कुमार राणा,रमेश मिस्त्री,रेखा देवी आदि मौजुद थे।

धरती आबा जन भागीदारी अभियान का हुआ आयोजन, विभिन्न कलस्टरों में लगा शिविर

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जनजातिय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत बुधवार पाकुड़ सदर प्रखंड अंतर्गत के सोनाजोड़ी कलस्टर, हिरणपुर प्रखंड के धोवाडांगा, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के सोनाधनी एवं बांडु कलस्टर, अमड़ापाड़ा प्रखंड के सिंगारसी कलस्टर, महेशपुर प्रखंड चांडालमारा एवं भेटाटोला कलस्टर एवं पाकुड़िया प्रखंड के राजपोखर, फुलझिंझरी कलस्टर में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आदिम जनजाति परिवार के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया. धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत प्रखंडों में शिविर के माध्यम लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जागरूक किया गया। विशेष रूप में शिविर में पहुंचे आदिम जनजाति परिवार के सदस्यों को सरकार द्वारा उन्हें मिलने वाली योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही योजनाओं का लाभ दिया गया।

बाल महोत्सव बच्चों के विकास में सहायक - डीसी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में पाकुड़िया प्रखंड स्थित लागडुम पंचायत में बाल महोत्सव का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य बच्चों के विकास में सहायता करना और उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित करना है। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि जिलास्तर पर बाल संरक्षण ईकाई के माध्यम से बाल विकास की विभिन्न प्रकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। इन योजनाओं और कार्यक्रमों को और आगे बढ़ाने से हम बच्चों के विकास के लिए और अधिक कार्य कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं, बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समाज के समृद्ध और प्रबुद्ध वर्ग को साथ लेकर बाल कल्याण की गतिविधियों को आगे बढ़ाना होगा। साथ ही उपायुक्त ने जिला बाल कल्याण से जुड़े पदाधिकारियों, स्वयं सेवी संगठनों और समाज सेवी संस्थाओं से अपील की है कि वे बाल विकास कार्यक्रमों और योजनाओं को और प्रभावी ढंग से लागू करने में हर सम्भव सहयोग करें।

पू. सी. रेलवे (निर्माण) के महाप्रबंधक ने अररिया - गलगलिया नई ब्रॉड गेज लाइन परियोजना का स्पीड ट्रायल के साथ निरीक्षण किया

मालीगांव, :

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफ आर)/निर्माण के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार चौधरी ने 16 जून 2025 को अररिया-गलगलिया नई ब्रॉड गेज (बीजी) लाइन रेल परियोजना का व्यापक निरीक्षण किया। बिहार स्थित पू. सी. रेलवे के कटिहार मंडल में अररिया और ठाकुरगंज के बीच नई बिछाई गई लाइन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान, अररिया के माननीय सांसद श्री प्रदीप कुमार सिंह और पू. सी. रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान, 120 कि.मी. प्रति घंटे की गति से सफलतापूर्वक हाई-स्पीड ट्रायल रन किया गया, जो नई बिछाई गई पटरी की अवस्था और गुणवत्ता को दशार्ता है। अररिया कोर्ट से ठाकुरगंज तक 110.75 किलोमीटर तक फैली अररिया-गलगलिया बीजी लाइन परियोजना, बिहार और आसपास के क्षेत्रों में रेल कनेक्टिविटी और परिचालन दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसे 2025 तक पूरा करने की योजना है। विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने संपूर्ण परियोजना के बुनियादी संरचना के कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। अररिया-अररिया कोर्ट-रहमतपुर

(8.24 कि.मी.) और पौआखाली- ठाकुरगंज (23.24 कि.मी.) के सेक्शन क्रमशः अप्रैल और नवंबर 2024 में चालू हो चुके हैं। रहमतपुर-पौआखाली (79.27 कि.मी.) के बीच शेष सेक्शन अब चालू होने की प्रतीक्षा में है, जो संपूर्ण परियोजना को पूरा करेगा। इस परियोजना में 64 बड़े पुल, 264 छोटे पुल और 15 रेलवे स्टेशनों का निर्माण शामिल है, जो किए गए इंजीनयरी कार्यों के पैमाने और जटिलता को दशार्ता है। इन संरचनाओं ने इस कॉरिडोर की रीढ़ का निर्माण किया हैं, जो पूरे मार्ग पर निर्बाध कनेक्टिविटी और परिचालन संरक्षा सुनिश्चित करती हैं। इस रेलवे लाइन से बिहार के दूरदराज और वंचित क्षेत्रों को राष्ट्रीय रेलवे ग्रिड से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण परिवहन कड़ी के रूप में सेवा मिलने की उम्मीद है। इसका उद्देश्य यात्री और माल परिवहन की सुगम आवाजाही, पर्यटन को बढ़ावा तथा व्यापार गतिविधियों को सहयोग प्रदान कर क्षेत्रीय विकास को गति प्रदान करना है। इसके अलावा, नेपाल के साथ सीमा पार कनेक्टिविटी बढ़ाने में इसका रणनीतिक महत्व है। पू. सी. रेलवे इस परिवर्तनकारी परियोजना को समय पर पूरा करने को प्रतिबद्ध होने के साथ-साथ गुणवत्ता और संरक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करता है।

मिट्टी की रक्षा, जल की रक्षा और बीज की स्वतंत्रता ही भविष्य की कुंजी है डॉ. निशिकांत दुबे

मिट्टी पूजन समारोह धरती को नमन, प्राकृतिक खेती का उत्सव

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

चेतना विकास एवं नाबार्ड के संयुक्त तत्वावधान में ४मिट्टी पूजन समारोह झ धरती को नमन, प्राकृतिक खेती का उत्सव४का भव्य आयोजन किया गया. यह समारोह खक्क्रअ परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ना, मिट्टी की उर्वरता को संरक्षित करना, और कृषि को टिकाऊ एवं जीवनदायी बनाना है.

कार्यक्रम में दो प्रमुख अतिथि सम्मिलित हुए:

डॉ. निशिकांत दुबे, माननीय सांसद, गोड्डा लोकसभा क्षेत्र गौतम कुमार सिंह , मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, झारखंड

समारोह की शुरूआत पारंपरिक मिट्टी पूजन और दीप प्रज्वलन से हुई. इसके पश्चात प्राकृतिक इनपुट्स जैसे जीवामृत और बीजामृत का प्रदर्शन किया गया. चेतना विकास के सचिव कुमार रंजन ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि उनके आगमन से प्राकृतिक खेती के उत्सव में किसानों का हौसला वर्धन हुआ है.

स्थानीय किसानों ने प्राकृतिक खेती में अपने अनुभव साझा किए.

मुख्य अतिथि गौतम कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहाः ४प्राकृतिक

खेती केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि धरती के साथ हमारे रिश्ते की पुनर्स्थापना है. उन्होंने कहा कि नाबार्ड द्वारा संचालित परियोजनाओं में स्थानीय नवाचारों और मूल्यवर्धन तकनीकों को सम्मिलित कर सरैयाहाट क्षेत्र को कृषि-आधारित मॉडल के रूप में विकसित किया जा सकता है और नाबार्ड इसमें सहयोग की पूर्ण कोशिश होगी.

विशिष्ट अतिथि डॉ. निशिकांत दुबे ने कहाः मिट्टी की रक्षा, जल की रक्षा और बीज की स्वतंत्रता ही आने वाले समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. उन्होंने आदिवासी समुदाय से अपील की कि वे अपने स्वास्थ्य और संस्कृति दोनों पर ध्यान केंद्रित करें और अपनी जड़ें मजबूत करें.

उन्होंने कहा कि अच्छे एनजीओ समाज और सरकार दोनों के लिए आवश्यक हैं, और चेतना विकास तथा नाबार्ड द्वारा किए जा रहे कार्यों की उन्होंने सराहना की.

डॉ. दुबे ने देवघर में निमार्णाधीन प्लास्टिक पार्क का ज़िक्र करते हुए वहां स्थानीय रोजगार की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला.

उन्होंने स्पष्ट कहा, ४मैं गाँव का नेता हूँ, और शिक्षा, स्वास्थ्य, जल तथा खेती – इन सभी विषयों पर पहले भी काम किया है और आगे भी करता रहूँगा. सरकार और संसद स्तर पर मैं इस दिशा में हर संभव प्रयास करूँगा।

सामुदायिक भागीदारीः समारोह में जिले के विभिन्न गाँवों से आए किसानों, महिला समूहों, युवाओं, पंचायती राज प्रतिनिधियों, एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी की.

चेतना विकास की निदेशिका रानी कुमारी ने जानकारी दी कि नाबार्ड के सहयोग से क्षेत्र में पहले से हअउक्र परियोजना संचालित थी, और उसी की आगामी कड़ी के रूप में खक्क्रअ परियोजना प्रारंभ की गई है.

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, फील्ड सपोर्ट और जैविक इनपुट्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे न केवल पर्यावरण की रक्षा हो रही है, बल्कि किसानों की आय और आत्मसम्मान में भी वृद्धि हो रही है.

कार्यक्रम में झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक रूपेश कुमार ने बैंक की तरफ से बुजुर्गों के के लिए छाता और बच्चों के लिए पठन-पाठन सामाग्री वितरित कराया. कार्यक्रम में सुबोध कुमार ने प्राकृतिक खेती की इस पहल की सराहना की।

अंत में डॉ निशिकांत दुबे ने सभी लोगों को बीज से मिट्टी तकह्व सामूहिक शपथ के माध्यम से मिट्टी एवं पर्यावरण की रक्षा का संकल्प दिलाया.

कार्यक्रम को सफल बनाने में नाबार्ड के डी.डी.एम सुभेन्दु बेहरा का मंच संचालन एवं अन्य तैयारियों में विशेष सहयोग रहा साथ ही चेतना विकास के कार्यकताओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा.

चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2.225 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

तस्करों के खिलाफ अभियान तेज, एसपी सुमीत कुमार अग्रवाल के निर्देश पर कार्रवाई

दिव्य दिनकर संवाददाता चतरा

चतरा जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बारीयातु के समीप मंगलवार को पुलिस ने 2.225 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ एक युवक को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। प्रेस वार्ता में एसपी अग्रवाल ने बताया कि एक व्यक्ति के द्वारा अफीम की अवैध खरीद-बिक्री की सूचना प्राप्त हुई थी, जिसके बाद सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। तत्पश्चात बारीयातु गांव के पास एक युवक को पकड़ा गया, जिसके पास से भारी मात्रा में अवैध अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सुखराम हस्सा पूर्ति (उम्र 22 वर्ष), पिता बाली हस्सा पूर्ति, ग्राम केवरा, थाना मुरहू, जिला खुंटी के रूप में की गई है। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह अफीम को खुंटी से लेकर गिद्धौर क्षेत्र में सप्लाई करने आया था। इस संबंध में गिद्धौर थाना में कांड संख्या 45/25, दिनांक 17 जून 2025 को ठख्रझ्र एक्ट की धाराएं 18()/22()/27()/28/29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अन्य संलिप्त तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

जब्त सामग्रियाँ:-

पुलिस अधीक्षक श्री अग्रवाल ने बताया कि छापेमारी के दौरान अभियुक्त के पास से 2.225 किलोग्राम अवैध अफीम, एक मोबाइल फोन, एक पीठू बैग बरामद किए गए है।

छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी:

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस छापेमारी दल में अनुमंडल सिमरिया पुलिस पदाधिकारी शुभम कुमार खंडेलवाल, चतरा पुलिस निरीक्षक सनोज चौधरी, पुलिस अवर निरीक्षक, गिद्धौर थाना प्रभारी कुमार गौतम, पुलिस अवर निरीक्षक सोनी खलखो, सशस्त्र बल के जवान, चौकीदार एवं गिद्धौर थाना के अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

मसमानो: एक बस्ती, जो अब भी विकास से कोसों दूर

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर मांडर प्रखंड की सुरसा पंचायत में बसी एक छोटी-सी बस्ती मसमानो, आज भी विकास की दौड़ में बहुत पीछे छूट गई है। बस्ती राष्ट्रीय राजमार्ग से मात्र 7 किलोमीटर और मांडर मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन इसकी दुर्दशा देखकर लगता है मानो यह किसी और युग में जी रही हो। मसमानो को बसकी से जोड़ने वाला लगभग 1.5 किलोमीटर लंबा एकमात्र

रास्ता, बस्तीवासियों की तकलीफों का सबसे बड़ा कारण बन गया है। गहरे गड्ढों, रास्ते के किनारे की खाई और जगह-जगह टूटी पगडंडियों के कारण यह रास्ता जानलेवा हो चुका है। बारिश में कीचड़ और फिसलन इसे और भी खतरनाक बना देते हैं। इस मार्ग से गुजरना बच्चों के लिए स्कूल जाना, मरीजों को अस्पताल पहुंचाना और गर्भवती महिलाओं को चिकित्सकीय सुविधा दिलाना झ किसी युद्ध लड़ने से कम नहीं। मजदूर, किसान और आम नागरिक रोज इसी रास्ते से अपनी जिंदगी और रोजी-रोटी का सफर तय करते हैं। यह सिर्फ एक गांव की कहानी नहीं, बल्कि झारखंड और भारत के उन सैकड़ों गांवों की पीड़ा है, जो बुनियादी सड़क जैसी सुविधाओं के बिना जी रहे हैं। जब तक गांवों तक सुरक्षित और पक्की सड़कें नहीं पहुंचेंगी, तब तक ४विकास४ का सपना अधूरा रहेगा। मसमानो के लोग मेहनती हैं, आत्मनिर्भर हैं। लेकिन क्या उनकी मेहनत का सम्मान तब तक नहीं होगा जब तक वे मुख्यधारा से नहीं जुड़ते!

दंगल पर शुरु हुई एक लड़की के सपने और परम्पराओं के बदलाव के दृण संकल्प की कहानी बड़े घर की छोटी बहू

टीवी की दुनिया में श्रेष्ठ पारिवारिक मनोरंजन की पहचान बन चुका दंगल टीवी अपने नए धारावाहिक बड़े घर की छोटी बहू को दंगल टीवी और दंगल प्ले ऐप के द्वारा दर्शकों तक पहुंचाने के लिए तैयार है। जो की विशुद्ध भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों और विचारधारा पर केंद्रित है। बड़े घर की छोटी बहू४ एक लड़की के पढ़ने की महत्त्वकांक्षा और संकल्प के रूढ़िवादी मानसिकता से होने वाले द्वन्द को बड़े ही भावनात्मक रूप से प्रस्तुत करता है। आज भी हमारे समाज में कई बार लड़की के अरमान को शादी और उसके पश्चात घरेलू जिम्मेदारी के नाम पर अनदेखा कर दिया जाता है।धारावाहिक बड़े घर की छोटी बहू४ में नारी के इस समसमायिक मुद्दे को उठाया गया है। इस धारावाहिक में सोनल खिलवानी द्वारा नायिका अहाना रॉय का किरदार निभाया गया है। जो अपनी उच्च शिक्षा को जारी रखने की उम्मीद के साथ अपने वैवाहिक जीवन में प्रवेश करती है। हालांकि, उसे जल्द ही अपने ससुराल वालों की उन अपेक्षाओं का

सामना करना पड़ता है, जो उससे अपने सपनों को पूरा करने के बजाय पूरी तरह से एक घरेलू एक कर्तव्यनिष्ठ पत्नी के कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर करते है। अपने किरदार के बारे में जानकारी देते हुए सोनल खिलवानी ने बताया, अहाना एक ऐसा किरदार है जो हमारे समाज की उन सभी महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है - जिनके पास शादी से परे सपने हैं। मुझे उसकी यात्रा को जीवंत करने का सौभाग्य मिला है और मुझे उम्मीद है कि यह परिवारों को शिक्षा को एक साझा लक्ष्य के रूप में देखने के लिए प्रेरित करेगा, न कि बलिदान के रूप में। कहानी के नायक अर्जुन जिसका किरदार एक्टर अधिक मेहता ने निभाया है खुद को अपने परिवार की परंपराओं को बनाए रखने और अपनी पत्नी के सपनों का साथ देने के बीच फंसा हुआ पाता है। एक्टर अधिक मेहता ने बताया, अर्जुन परंपरा और बदलाव के चौराहे पर खड़ा है। इस किरदार को निभाना एक अलग ही समृद्ध अनुभव रहा है, और मुझे यह देखकर खुशी हुई कि इस शो के प्रोमो ने पहले ही दर्शकों के दिलों को छू लिया है। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि यह परिवारों के भीतर इस तरह के विषयों पर एक सार्थक बातचीत को बढ़ावा देगा। शो में अनिता कुलकर्णी, दुर्गा देवी की भूमिका में हैं, जो सख्त हैं और पितृसत्तात्मक परंपराओं का पालन करती हैं, और रितु चौहान एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं, जो पारिवारिक नाटक को और गहराई प्रदान करती हैं। *मुख्य प्रश्न यह है कि क्या अहाना अपने परिवार की मानसिकता को बदलने और अपनी शिक्षा जारी रखने का अधिकार अर्जित करने में सक्षम होगी? 16 जून से रात 9:30 बजे से बड़े घर की छोटी बहू देखें, यह सोमवार से शनिवार तक केवल दंगल टीवी पर प्रसारित होगा और दंगल प्ले पर कभी भी स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

बीआरबीसीएल में बालिका सशक्तिकरण अभियान का भव्य समापन किया गया

जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री ने बढ़ाया बच्चियों का उत्साह।

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध विद्युत पावर प्लांट बीआरबीसीएल (BRBCL) द्वारा संचालित बालिका सशक्तिकरण अभियान 2025 का समापन समारोह 18 जून 2025 को सुमंगल सामुदायिक केंद्र में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर औरंगाबाद (बिहार) के जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में बीआरबीसीएल की ऊर्जा उत्पादन में भूमिका के साथ-साथ उसके सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने ह्यबालिका सशक्तिकरण अभियान 2025 को ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए एक सकारात्मक और परिवर्तनकारी पहल बताया। श्री शास्त्री ने इस अभियान में शामिल 40 प्रतिभागी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान समाज को बदलने की दिशा में एक मजबूत नींव रखते हैं। इस अवसर पर बीआरबीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपक रंजन देहुरी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे और उन्होंने बच्चियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। यह 28 दिवसीय अभियान बीआरबीसीएल के आसपास स्थित 16 गांवों से चयनित 40 बच्चियों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें उन्हें अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ जीवन कौशल, आत्मरक्षा, कला, संगीत आदि विविध विषयों में प्रशिक्षित किया गया।

दुनिया में मित्रविहीन क्यों होता जा रहा है भारत

राजेंद्र शर्मा

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि करीब पांच दर्जन सांसदों तथा कूटनीतिज्ञों के सात दलों के 33 देशों के दौरे से भी, कम से कम विदेश नीति के मामले में मोदी सरकार ने कोई सबक नहीं लिया लगता है। यह तब है, जब जैसा कि आम तौर पर सभी जानते भी हैं और मानते भी हैं, 7 से 10 मई के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सैन्य झड़पों की पृष्ठभूमि में मोदी सरकार को, जो राजनीति में उभयपक्षीयता के विचार से सिर्फ कोसों दूर ही नहीं है, एक प्रकार से इस तरह की परंपराओं की शत्रु ही बनी रही है, दुनिया भर में इन बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों को भेजने की जरूरत इसीलिए महसूस हुई थी कि, उक्त टकराव के संदर्भ में भारत की विदेश नीति पूरी तरह से विफल रही थी। जैसा कि सभी ने दर्ज किया था, मोदी राज की विदेश नीति के 11 साल का हासिल यही था कि छोटे से बड़ा तक और विकसित से पिछड़ा तक, दुनिया का एक भी देश इस टकराव में स्पष्ट रूप से भारत का पक्ष लेने के लिए सामने नहीं आया था। और तो और, रूस जैसा भारत का सदाबहार मददगार और समर्थक तक, दुविधाग्रस्त नजर आ रहा था। बाकी सारी दुनिया को छोड़ भी दें, तो हमारा एक भी पड़ौसी देश, दक्षिण एशिया का कोई भी देश, भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ था। अलबत्ता, अफगानिस्तान ही इस मामले में अपवाद साबित हुआ था, जहां की तालिबान सरकार के साथ बढ़ती नजदीकियों के बावजूद, भारत अब तक उसे कूटनीतिक मान्यता देने की हिकमत नहीं जुटा पाया है। इस कूटनीतिक आउटरीच कार्यक्रम के बाद, इन बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से प्रधानमंत्री मोदी ने बहु-प्रचारित मुलाकात भी की थी। इस मुलाकात के संबंध में प्रेस में आए कुछ ब्यौरों में, प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों द्वारा इन दौरों में बने अपने इंप्रैशन बेलाग तरीके से प्रधानमंत्री से साझा किए जाने के जोर-शोर से दावे किए गए हैं, हालांकि विवरणों पर प्रायः चुप्पी साध ली गयी है। फिर भी यह मानने का कोई कारण नहीं है कि कम से कम राजनीतिक राय के इंद्रधनुष के अधिकांश रंगों का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसदों ने सारे संकोच के बावजूद, इन विदेश दौरों के अपने वास्तविक इंप्रैशन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, कम से कम इशारतन, प्रधानमंत्री से साझा नहीं किए होंगे। इनमें इसे समझने के लिए कुछ-न-कुछ संकेत भी जरूर रहे होंगे कि आंतकवाद जैसे मुद्दे पर भी भारत आज दुनिया में इतना अलग-थलग क्यों है? लेकिन, प्रधानमंत्री की उक्त बैठक के बाद का मोदी सरकार का प्रकट कूटनीतिक आचरण यही दिखाता है कि यह सरकार कुछ भी न सीखने को तैयार है और न ही रत्तीभर बदलने को। उक्त प्रतिनिधिमंडलों की स्वदेश वापसी के फौरन बाद, मोदी सरकार की कूटनीति की महत्वपूर्ण परीक्षा एक नहीं, दो अलग-अलग, किन्तु परस्पर जुड़े हुए मामलों में हुई। इनमें से पहला मामला इजरायली नरसंहार की शिकार गज़ा की जनता की प्राण रक्षा के लिए, तुरंत युद्ध विराम कराने के संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव का था। गज़ा पर दो साल से ज्यादा से जारी इजरायली हमलों में साठ हजार से ज्यादा असैनिक मारे जा चुके हैं, जिनमें बहुमत बच्चों और महिलाओं का ही है। इस नरसंहारकारी युद्ध में इजरायल सिर्फ हवाई हमलों से लेकर जमीनी चढ़ाई तक, सैन्य हथियारों का ही इस्तेमाल नहीं कर रहा है, बल्कि घेरेबंद गज़ा में न्यूनतम आपूर्तियां तक पहुंचने के रास्ते बंद करने के जरिए, भूख को समान रूप से घातक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है और गज़ावासियों को सामूहिक दंड के रूप में भुखमरी में धकेल रहा है। हैरानी की बात नहीं है कि विश्व न्यायिक मंचों ने इस मामले में इजरायल को युद्ध अपराधों का दोषी तक करार दिया है। स्वाभाविक रूप से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रचंड बहुमत से गज़ा के खिलाफ जंग बंद किए जाने का प्रस्ताव स्वीकार किया। 149 देशों ने प्रस्ताव के समर्थन में वोट किया, जबकि इजरायल तथा अमेरिका समेत कुल 12 देशों ने प्रस्ताव खिलाफ वोट किया। लेकिन पूरी तरह से अप्रत्याशित न होते हुए भी, बहुतों को हैरान करते हुए, भारत ने उन 18 अन्य देशों के साथ वोट किया, जिन्होंने खुद को इस प्रस्ताव पर मतदान से अलग रखे जाने के लिए मतदान किया था। भारत का यह रुख इसलिए और भी हैरान करने वाला था कि इससे पहले भारत ने, दो साल पहले इसी तरह के जंगबंदी के संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया था। यह समझना वाकई तर्क से परे था कि संयुक्त राष्ट्र संघ के पिछले और इस ताजातरीन प्रस्ताव के बीच ऐसा क्या बदल गया था, जो मोदी का भारत जंगबंदी की मांग का समर्थन करना

छोड़कर, इस मांग पर तटस्थता का रुख अपनाने पर आ गया था! बेशक, गज़ा के खिलाफ इजरायली सैन्य कार्रवाइयों की शुरूआत से ही मोदी सरकार, फिलिस्तीन के समर्थन के भारत के परंपरागत रुख के विपरीत, जिसकी जड़ें भारत के अपने साम्राज्यवादविरोधी स्वतंत्रता संग्राम में थीं, आमतौर पर इजरायलपरस्त रुख ही अपनाए रही है। लेकिन, गज़ा में नरसंहार रोके जाने पर भी तटस्थ हो जाने की हद तक इजरायलपरस्ती तो, मोदी सरकार के मानकों के हिसाब से भी नयी ही है। कहने की जरूरत नहीं है कि अपनी इस पल्टी से भारत ने खुद को दुनिया भर से, जिसमें जाहिर है कि सबसे बड़ी संख्या विकासशील देशों की ही है, अलग ही कर लिया। यहां तक कि भूटान जैसे देश ने भी भारत से भिन्न रुख अपनाते हुए, प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। इसके फौरन बाद, मोदी राज की विदेश नीति की दूसरी परीक्षा भी हो गयी। इस परीक्षा का भी संबंध इजरायली आक्रामकता से था, जिसका प्रदर्शन इजरायल पश्चिमी विकसित दुनिया के पूरे-पूरे समर्थन के बल पर ही करता आया है। गज़ा के खिलाफ अपने नरसंहारकारी हमले के बीच, इजरायल ने अचानक ईरान पर सैकड़ों जंगी जहाजों, ड्रोनों और मिसाइलों से हमला कर दिया। इस हमले में ईरानी सेना के कुछ शीर्ष नेताओं तथा देश के कई प्रमुख नाभिकीय वैज्ञानिकों समेत सैकड़ों लोग मारे गए। इनमें से अनेक की टार्गेट कर के हत्याएं की गयी थीं, जिसमें इजरायल को खास महारत हासिल है। स्वाभाविक रूप से, ईरान ने इस हमले का जवाब देने का ऐलान किया है और इससे दोनों के बीच व्यापक लड़ाई छिड़ सकती है। इजरायल ने यह हमला इसके नाम पर किया है कि वह ईरान को नाभिकीय हथियार बनाने से रोकना चाहता है और इसलिए उसके नाभिकीय प्रतिष्ठान पर हमला किया गया है। लेकिन, इजरायल को जो पश्चिम की कृपा से नाभिकीय हथियार लिए बैठा है, इसके नाम पर हमला करने का अधिकार किसने दिया है? फिर यह बहाना भी कितना झूठा है, इसका अंदाजा एक इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि यह हमला, ठीक ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम के प्रश्न पर ही, अमेरिका और ईरान के बीच जारी वार्ताओं के बीच में किया गया है, जब दोनों के बीच पांच दौर की वार्ता हो चुकी थी और छठे दौर की वार्ता अगले ही दिन होनी थी। इस हमले में ईरानी पक्ष के वार्ताकारों की चुन-चुनकर हत्या कर दी गयी। हैरानी की बात नहीं है कि इस हमले की व्यापक रूप से निंदा हो रही है। लेकिन, शंघाई सहयोग संगठन ने, जिसका भारत पूर्ण सदस्य है, जब इस इजरायली हमले की निंदा के एक प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बैठक बुलाई, मोदी के भारत ने इस बैठक से ही खुद को अलग कर लिया। इस सबके बाद, 'ग्लोबल साउथ' यानी विकासशील दुनिया का 'प्रवक्ता' होने के भारत के दावे, एक भद्दा मजाक ही लगते हैं। बेशक, यह महज इजरायल प्रेम का ही मामला नहीं है। मोदी राज के इजरायल प्रेम का सीधा संबंध, इजरायल की पीठ पर अमेरिका समेत समूची साम्राज्यवादी दुनिया का हाथ होने से है। मोदी राज की विदेश नीति की मुख्य पहचान, जो उसे भारत की स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत और आजादी के बाद के पांच दशक से ज्यादा की भारत की विदेश नीति से बुनियादी तौर पर अलग करती है, उसका भारत को साम्राज्यवादी मंसूबों का जूनियर पार्टनर बना देना है। यह दूसरी बात है कि मोदी राज में इजरायल प्रेम में, अमेरिका समेत साम्राज्यवादी ताकतों के प्रेम के अलावा एक तत्व और भी शामिल है, जो इस विदेश नीति को उसकी घरेलू नीति का प्रत्यक्ष विस्तार बनाता है। यह तत्व है, मुस्लिमविरोध, जो संघ-भाजपा के मुस्लिम विरोध का दोस्ताना, इजरायली यहूदीवादियों के इस्लामविरोध से जोड़ता है। इसी सब के चलते, मोदी राज के 11 साल में, खासतौर पर विकासशील दुनिया में, भारत की नैतिक प्रतिष्ठा ध्वस्त हो गयी है। जो भारत कभी गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से विकाशील दुनिया की सबसे भरोसेमंद आवाज हुआ करता था, अब अपने मुंह से विकासशील दुनिया की ओर से बोलने के दावे भले ही करे, विकासशील देश उस पर रत्तीभर विश्वास नहीं करते हैं। दूसरी ओर, पश्चिम की पंगत में किसी तरह शामिल होने के लालच में विकासशील दुनिया के हितों की ओर से मुंह मोड़ने के ईनाम के तौर पर उसे निचली मेजों के न्यौते जरूर मिल रहे हैं, लेकिन वहीं तक, जहां तक सामराजी मंसूबों के लिए उसका उपयोग है। दूसरी ओर, मोदी राज में देश में जो कुछ हो रहा है और खासतौर पर धर्मनिरपेक्षता समेत सभी प्रमुख पहलुओं से जिस तरह जनतंत्र का त्याग किया जा रहा है, वह विकासशील दुनिया के साथ-साथ, पश्चिम की इस बारात में भी उसकी उपस्थिति को असहज और असामान्य बनाता है, और जिसका पता अनेकानेक सूचकांकों पर भारत के खराब प्रदर्शन से चलता है। नतीजा यह कि विश्व समुदाय में भारत का कद घटता जा रहा है और उसके मित्रों का दायरा तेजी से सिकुड़ता जा रहा है। जैसे-तैसे कर के जी-7 के आउटरीच कार्यक्रम का न्यौता हासिल करने और शर्तों पर न्यौता हासिल करने के बाद, नरेंद्र मोदी जिस तरह लपक कर कनाडा समेत तीन देशों की पांच दिन की यात्रा पर रवाना हुए हैं, वह यही दिखाता है कि वर्तमान शासन में विदेश नीति, विदेश में नरेंद्र मोदी की छवि चमकाने का औजार भर बनकर रह गयी है, ताकि विश्व नेता की इस छवि के प्रतिबिंबन से, देश के लोगों को चकाचौंध किया जा सके। ऐसी विदेश नीति से ज्यादा समय तक तो विदेश में राष्ट्रीय गोदी पूंजीपति के हितों तक को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है, भारत जैसे विशाल देश के हितों को आगे बढ़ाने का तो सवाल ही कहां उठता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और साप्ताहिक पत्रिका 'लोकलहर' के संपादक हैं)

संपादकीय

उड़ान भरना सावधानी की मांग

नियमों की अनदेखी: उत्तराखंड में श्रद्धालुओं की संख्या बेहिसाब ढंग से बढ़ी है और इसी के साथ हेलिकॉप्टर सेवा भी। लेकिन, इसमें सुरक्षा मानकों की अनदेखी के आरोप भी खूब लगे हैं। चूंकि यात्रा सीजन सीमित होता है, ऐसे में ज्यादातर कंपनियों का जोर अधिक से अधिक उड़ान भरने और मुनाफा कमाने पर होता है। इसी वजह से कभी उत्तरकाशी जैसे हादसे होते हैं और कभी सड़क पर हाई लैंडिंग की तस्वीरें आती हैं। इसका एक पहलू पर्यावरण पर पड़ने वाला नकारात्मक असर भी है।

इंफ्रा की कमी: एविएशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि चार धाम रूट, खासकर केदारनाथ रूट एक पायलट के लिहाज से सबसे चुनौतीपूर्ण है। यहां उड़ानें तो बढ़ी हैं, लेकिन रडार या एयर ट्रैफिक कंट्रोल जैसा जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है। पायलटों को केवल अपनी आंख पर भरोसा करके आगे बढ़ना होता है, लेकिन उस ऊंचाई पर, जहां मौसम अचानक करवट ले लेता है, यह बहुत जोखिम भरा है। ऊपर से कंपनियों का लालच इस जोखिम को और बढ़ा देता है।

कंपनियों पर नियंत्रण जरूरी: कुछ दिनों पहले ही DGCA ने चार धाम कॉरिडोर में उड़ानों की संख्या आधी कर दी और उत्तराखंड सिविल एविएशन डिवेलपमेंट अथॉरिटी के कंट्रोल रूम में अपने ऑफिसर भी नियुक्त किए हैं। हालांकि इसके साथ हेलिकॉप्टर सर्विस देने वाली कंपनियों पर अंकुश की भी जरूरत है। मानकों को और कड़ा किया जाना चाहिए। देश के किसी और हिस्से की तुलना में हिमालय में उड़ान भरना अतिरिक्त सावधानी की मांग करता है।

मिलीभगत के खेल से बढ़ रहे अवैध खनन के मामले

पंकज श्रीवास्तव

देश भर में खनन माफिया की करतूत किसी से छिपी नहीं है। राजस्थान के भीलवाड़ा में कोठरी नदी के पास तो माफिया ने मिट्टी का ऐसा दोहन किया कि वहां से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन को ही खतरा हो गया। दुस्साहस की हद यह कि टावर के नीचे से भी मिट्टी खोदी दी गई। मध्यप्रदेश में चंबल नदी के किनारे की तस्वीरें देख लीजिए, पता लग जाएगा कि किस तरह से खनन रोकने के आदेशों को माफिया छलनी करने में जुटे हैं। आदेश तो थे रेत के अवैध उत्खनन को रोकने के इसके उलट रेत के कारोबारियों ने परिवहन के लिए वाहनों की संख्या बढ़ा दी। पिछले दिनों ही छत्तीसगढ़ में तो रेत माफिया ने एक आरक्षक को ही ट्रॉली के नीचे कुचलकर मार दिया था। यहां बिलासपुर में अरपा नदी हो या छत्तीसगढ़ की लाइफलाइन महानदी जहां देखो वहां रेत माफिया नदी की कोख से रेत छानने में लगे हैं। ये तो महज बानगी है। एक दो नहीं हर राज्य में अवैध खनन की एक समान तस्वीरें सामने आ रही हैं। कहना न होगा कि खनन की रोकथाम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर होने वाली ढिलाई इन सबके लिए जिम्मेदार है। जब-तब दिखावे की कार्रवाई होकर रह जाती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि ऐसे दौर में जब आसमान पर बादल डेरा डाल चुके हैं तब भी रेत और मिट्टी का अवैध खनन आखिर किसकी अनुमति से होता दिख रहा है। बड़ी नदियों के आस-पास किसी भी शहर का दौरा कर लें वहां रेत के बड़े बड़े पहाड़ नजर आएंगे। जाहिर है ये स्टाक इकट्ठा इसलिए किया जा रहा है कि जब मानसून का समय हो तब रेत को मनमाने दामों पर बेचा जा सके। सवाल ये है आखिर मनमानी के ये मामले रुकते क्यों नहीं हैं। जवाब भी यही है कि ज्यादातर

एक्शन सतही नजर आते हैं। कभी सुरक्षा बलों की कमी का बहाना बनाया जाता है तो कभी कोई और। माफिया का सूचना तंत्र इतना मजबूत होता है कि कभी प्रशासनिक अमला कार्रवाई की तैयारी भी करता है तो उन्हें पहले से ही भनक लग जाती है। कागजी छापों में एकाध ऐसे लोगों को पकड़ लिया जाता है जिनका खनन से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं होता। इनमें ज्यादातर खनन कार्य में लगे श्रमिक होते हैं। अफसरों से मिलीभगत का ऐसा खेल चलता है कि असली किरदार पकड़ से बाहर होने में कामयाब हो जाते हैं। असल चेहरों के गिरेबान तक तो जिम्मेदारों के हाथ पहुंच ही नहीं पाते। ऐसे मामले भी सामने आ चुके हैं जिनमें रेत के अवैध खनन व परिवहन में नेताओं की प्रत्यक्ष व परोक्ष भूमिका सामने आती है। अवैध खनन मे कभी कोई हादसा हो जाए तब जाकर प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन कभी कोई यह विचार करने का प्रयास ही नहीं करता कि खनन को नियम-कायदों से बांधा जाए तो सरकारी राजस्व भी बढ़ना तय है। लेकिन जब मिलीभगत का खेल हो तो इसकी चिंता भला कौन करे? अवैध खनन को शह देने वाले चाहे नेता हों या अफसर या फिर कोई और, समुचित सख्ती के बिना इस पर रोक असंभव तो नहीं लेकिन मुश्किल है।

बेटियां: विरासत नहीं, संवेदना का सच

विजय गर्ग

भारतीय समाज में सदियों से यह धारणा रही है कि बेटा ही वंश चलाता है, बेटा ही अर्थी को कंधा देगा, बेटा ही संपत्ति का उत्तराधिकारी होगा. यह सोच न सिर्फ बेटियों को दोयम दर्जे में धकेलती है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी ठेस पहुंचाती है. पर समय ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वंश केवल नाम का नहीं होता, वंश वह संवेदना है जिसे कोई भी आगे बढ़ा सकता है. कितनी ही बेटियाँ हैं जो अपने बूढ़े माँ-बाप की सेवा करती हैं, उन्हें सहारा देती हैं और उनकी अंतिम इच्छा तक निभाती हैं. आँसुओं की तासीर एक-सी क्यों होती है? जब किसी घर में दुख आता है, तो आँसू किसी रिश्ते, लिंग या वर्ग को नहीं देखते. माँ की ममता और बेटी का दुलार - दोनों में दर्द की वही भाषा होती है. मौत एक ऐसी सच्चाई है जो सबको एक छतरी के नीचे खड़ा कर देती है. उस क्षण न कोई बेटा बड़ा होता है न बेटी छोटी. उस क्षण सिर्फ़ इंसान होता है - समर्पित, भावुक, टूटता हुआ. हमारे समाज में मृत्यु के बाद का अनुष्ठान बेटे के जिम्मे होता है. बदलते सामाजिक समीकरण आज का भारत एक संक्रमण काल से गुजर रहा है, जहाँ बेटियों को पढ़ाया जा रहा है, आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, पर मानसिकता का बदला जाना अभी अधूरा है. 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा तो है, पर क्या हम बेटियों को जीवन के हर अधिकार में

समान दर्जा दे पा रहे हैं? क्या उन्हें संपत्ति, परंपरा और निर्णयों में बराबरी का स्थान मिल रहा है?

अनुभवों की कहानियाँ: बेटियाँ जिन्होंने समाज को बदला राजस्थान के छोटे गाँवों से लेकर महानगरों तक, हजारों बेटियाँ अपने माता-पिता के लिए वह संबल बनीं हैं जिसकी कल्पना समाज बेटों से करता था. एक उदाहरण महाराष्ट्र की प्रियंका का है, जिसने अपने पिता की मृत्यु पर विधिवत अंतिम संस्कार किया, गाँव ने विरोध किया, पर वह डटी रही. आज गाँव की अन्य लड़कियाँ उसे अपना आदर्श मानती हैं.क्या यह प्रेम, यह समर्पण विरासत का हिस्सा नहीं है? कानून क्या कहता है? भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 2005 के संशोधन के बाद बेटियों को संपत्ति में बराबरी का अधिकार मिला है. पर सामाजिक स्तर पर यह अधिकार कितनी बार स्वीकारा गया है? अदालतें भले ही बेटियों को बराबरी दें, पर समाज अब भी मानसिक तौर पर इस बदलाव को पूरी तरह आत्मसात नहीं कर पाया है. कई बार बेटियों को स्वेच्छा से 'हक छोड़ने' के लिए मजबूर किया जाता है ताकि बेटों का हिस्सा बना रहे. यह 'त्याग' नहीं, एक सुनियोजित सामाजिक दबाव है. बेटियों को कमजोर क्यों समझा जाता है? संवेदनशील होना कमजोरी नहीं होती. सहनशीलता को ही हमने दुर्बलता मान लिया है. बेटियाँ घर की शांति होती हैं, स्नेह का प्रवाह होती हैं और दुख की सबसे पहली साथी होती हैं. अगर यही गुण बेटे में हों, तो उन्हें 'समझदार' कहा जाता है, फिर बेटियों को 'कमजोर' क्यों? बेटियाँ अक्सर परिवार की भावनात्मक रीढ़ होती हैं. वे संघर्षों को चुपचाप सहती हैं और फिर भी मुस्कुराती हैं. क्या यह शक्ति नहीं? पीढ़ियों की सोच में बदलाव की जरूरत - बेटा ज़रूरी है - यह सोच एक सामाजिक भ्रम है. वंश वही चलता है जहाँ संस्कार होते हैं, और संस्कार बेटा या बेटी में नहीं, पालन- पोषण और संबंध में होते हैं. जो बेटी पिता की चिता को अग्नि दे, क्या वह उससे कम है जो पिता की तस्वीर पर माला चढ़ाता है? नयी पीढ़ी को यह समझना होगा कि परिवार की जिम्मेदारियाँ केवल बेटों की नहीं होतीं. बेटियाँ भी माँ-बाप की बुढ़ापे की लाठी हो सकती हैं, अगर समाज उन्हें वह अवसर और अधिकार दे. विरासत सिर्फ़ ज़मीन या नाम नहीं होती- विरासत वह भी होती है जो आँसुओं में झलकती है, जो संवेदनाओं में बहती है, जो संस्कारों में जीती है. बेटियाँ वह विरासत हैं जो सिर्फ़ खून का नहीं, प्रेम और सेवा का रिश्ता आगे बढ़ाती हैं. मीडिया और लोकप्रिय संस्कृति में बदलाव की जरूरत- हमारे टेलीविजन धारावाहिकों और फिल्मों में बेटियों को या तो बोझ के रूप में या फिर त्याग की देवी के रूप में दिखाया जाता है. यह चरम सीमाएँ हैं. हमें ज़रूरत है ऐसी कहानियों की जो बेटियों को वास्तविक, सशक्त और स्वाभाविक रूप में प्रस्तुत करें. हमारी जिम्मेदारी समाज को चाहिए कि वह बेटियों को केवल एक विकल्प के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें एक पूर्ण, सक्षम उत्तराधिकारी माने. बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान सिर्फ़ नारे नहीं, एक गहरी सामाजिक क्रांति की शुरुआत है. स्कूलों में समानता की शिक्षा हो, पंचायतों में बेटियों की भागीदारी हो, और घरों में उनके फैसलों को सम्मान मिले- तभी यह बदलाव स्थायी होगा. बेटियों की परवरिश करते समय यह न सोचें कि "कल तो पराई हो जाएगी," बल्कि सोचें कि "यह मेरी आज की ताकत है." आज के दौर में जब परिवार, रिश्ते और मूल्यों की परिभाषाएं बदल रही हैं, तब बेटियों की भूमिका को एक बार फिर नए दृष्टिकोण से समझना जरूरी है. वे केवल सहारा नहीं, शक्ति हैं. वे सिर्फ़ संवेदना नहीं, उत्तराधिकार की हक़दार हैं. बेटियाँ सिर्फ रिश्तों की गारंटी नहीं हैं, वे समाज की रीढ़ भी हैं. उनकी आँखों में अपने पिता के लिए वही चिंता, वही अपनापन, वही असीम प्रेम है जो किसी भी बेटे में होता है-बल्कि कई बार उससे कहीं अधिक. उन्हें हाशिए से उठाकर केंद्र में लाना, उन्हें सिर्फ़ 'बेटी' नहीं, 'वारिस' मानना ही सच्ची सामाजिक प्रगति होगी।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

जिला भू-अर्जन कार्यालय का उपायुक्त द्वारा किया गया निरीक्षण

साहिबगंज:

उपायुक्त हेमंत सती द्वारा समाहरणालय स्थित जिला भू-अर्जन कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कार्यालय में संधारित विभिन्न पंजियों का अवलोकन करते हुए कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।उपायुक्त ने पंजी संधारण की अद्यतन स्थिति, लंबित मामलों के निष्पादन एवं मुआवजा वितरण की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि भू-अर्जन से संबंधित सभी प्रक्रियाएं निर्धारित समय सीमा में पारदर्शिता के साथ पूर्ण की जाएं ताकि प्रभावित लोगों को समय पर लाभ मिल सके।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, फाइलों के उचित रख-रखाव एवं कर्मियों की उपस्थिति पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभिलेखों का डिजिलाइजेशन भी प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए।इस अवसर पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे। उपायुक्त ने सभी को अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिए।

चौथा स्तंभ पर सीधा वार किया जा रहा है, स्वतंत्र पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल पर

दिव्य दिनकर

भागलपुरः- अब कैसे एक पत्रकार समाचार संकलन कर सकता है, जी हां एक मामला कहलगांव थाना क्षेत्र का तुल पकड़ते जा रहा है। एक पत्रकार ही है जो की अपनी जान को जोखिम में डालकर जन-जन तक किसी भी खबर को प्रकाशित करता है। वैसे में पत्रकारों पर मुकदमा कर दिया जाता है। कहलगांव अनुमंडल के पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल जो कि निर्भीक और लोगों की गरिमा को देखते हुए किसी भी समाचार को संकलन कर जन-जन तक पहुंचाने का काम अखबार के माध्यम से करने का काम करता है। इस तरह के मामले को लेकर निचले अधिकारी से लेकर बिहार के डीजीपी तक प्रमाण के साथ इन गंभीर मामले से अवगत कराए। चौथे स्तंभ के रूप में जाने वाले पत्रकारो पर षड़यंत्रपूर्वक कई तरह से वार किया जा रहे हैं जिसमें एक पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल पर साजिश रच के एस सी एस टी आरोप लगाया गया, जिले मे इस तरह के घटना से चौथा स्तंभ पर वार किया जा रहा है। जबकि कई वर्षों से जटिल से जटिल समस्या को उजागर करने का हिम्मत उन्होंने दिखाया है। जबकि कई पत्रकारो ने गहरी चिंता जताई है।

मुजफ्फरपुर के सिटी एसपी कोटा किरण ने संभाला कार्यभार

दिव्य दिनकर बिहार डिगनेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्र।

मुजफ्फरपुर जिले की नगर पुलिस अधीक्षक सिटी (एसपी) कोटा किरण ने आज अपने पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर तत्कालीन एसपी ने औपचारिक रूप से उनके बीच पदभार का हस्तांतरण किया। कार्यभार ग्रहण से पहले कोटा किरण को पुलिस जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पदभार ग्रहण करने के बाद नए एसपी ने जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराध नियंत्रण को अपनी प्राथमिकता बताया।सिटी एसपी कोटा किरण ने कहा कि ह्लमुजफ्फरपुर एक बड़ा और पुराना जिला है, और यहां एसपी के रूप में कार्य करना मेरे लिए गर्व की बात है। जिले में अपराध को नियंत्रित करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। विशेष रूप से स्मैक तस्करी और अन्य अपराधों पर कड़ाई से कार्रवाई की जाएगी।ह्व उन्होंने पूर्व एसपी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और कहा कि वह उनके प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए जिले में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी।

जल अधिग्रहण क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण कमला नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी

दिव्य दिनकर बिहार डिगनेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्र।

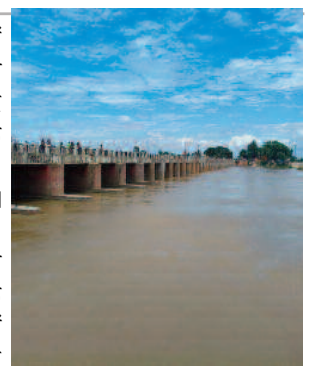

मधुबनी जिला के जयनगर में स्थित कमलानदी में गुरुवार को अचानक से जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी जारी है। दोपहर तक कमला नदी सामान्य से 25 से 30 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। सीमावर्ती क्षेत्र नेपाल के शीशापानी, उदयपुर, सिरहा सहित कमला अधिग्रहण क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण कमला नदी के जलस्तर में वृद्धि होने के कारण नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हुआ है। इस संबंध में कमला नहर के अधिकारियों ने बताया कि नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है मगर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा। वर्षा के कारण कमला नदी का जलस्तर सामान्य से थोड़ा सा बढ़ा है, जल संसाधन विभाग के द्वारा इस पर मॉनिटरिंग किया जा रहा है। जल संसाधन विभाग के द्वारा कमला नदी पर नजर रखी जा रही है। वर्तमान में स्थिति सामान्य है। जिस ढंग से नदी का जलस्तर यदि बढ़ेगा तो बराज के फाटक खोले जा सकते है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए जल संसाधन विभाग के द्वारा नदी के जलस्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं कमला नदी के जलस्तर के बढ़ने से नदी पर बना रहे बराज निर्माण कार्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। नदी के पूर्वी छोर पर बराज निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। जल संसाधन विभाग के द्वारा मानसून व बाढ़ को देखते हुए सतर्क है। नदी से सटे पूर्वी एवं पश्चिमी तटबंध सहित जलस्तर के उतार चढ़ाव पर जल संसाधन विभाग लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है।

पाटलिपुत्र और गोरखपुर के बीच वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना

पाटलिपुत्र और गोरखपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस, बिहार के पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण और पश्चिम चंपारण जिलों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के कुशीनगर और गोरखपुर से होकर 384 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इस सेमी हाई-स्पीड ट्रेन के शुरू होने से उत्तर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, पर्यटन में वृद्धि के माध्यम से क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होगा और चिकित्सा, शैक्षिक और व्यावसायिक यात्रा के लिए बेहतर रेल पहुंच प्रदान होगी। यह पाटलिपुत्र-मुजफ्फरपुर-बेतिया-गोरखपुर मार्ग पर पहली सेमी हाई-स्पीड ट्रेन सेवा है।

वैशाली-देवरिया के बीच नई रेल लाइन का उद्घाटन

बिहार

के वैशाली और देवरिया के बीच नई रेल लाइन, 29 किलोमीटर लंबी है और इसका निर्माण 403 करोड़ की अनुमानित लागत से किया गया है। देवरिया को वैशाली से जोड़ने वाली यह लाइन लिच्छवियों की प्राचीन राजधानी और भगवान महावीर की जन्मस्थली है, जो बौद्ध और जैन विरासत का एक महत्वपूर्ण स्थल है - यह प्रतिष्ठित केसरिया बौद्ध स्तूप को भी जोड़ती है, जिससे बौद्ध सर्किट के हिस्से के रूप में पर्यटन को बढ़ावा मिलता है। इसके अतिरिक्त, यह लाइन नेपाल सीमा के पास रक्सौल टर्मिनल तक माल ढुलाई को तेज करेगी और उत्तरी बिहार में कृषि आधारित उद्योगों और पर्यटन के लिए पहुँच में सुधार करेगी।

सामाजिक कार्यकर्ता चंपा सिंह ने नई दिल्ली में मनाया 75वां जन्मदिन

नई दिल्ली, ।

महिलाओं के अधिकार और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहने वाली जानी-मानी सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती चंपा सिंह ने मंगलवार को अपना 75वां जन्मदिन नई दिल्ली के अशोक होटल में मनाया। यह अवसर परिवारजनों और चुनिंदा विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जो उनके सामाजिक योगदान को सम्मानित करने के लिए एकत्र हुए। श्रीमती सिंह ने वंचित समुदायों में महिलाओं को सशक्त बनाने और बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वर्षों तक जमीनी स्तर पर कार्य किया है। उनके प्रयासों ने कई बच्चियों को पढ़ाई जारी रखने का हौसला दिया और महिलाओं को कठिन परिस्थितियों में अपनी आवाज उठाने की ताकत दी है। उनकी सेवा भावना की जड़ें उनके पारिवारिक संस्कारों से भी जुड़ी हैं। श्रीमती चंपा सिंह भारत के पहले संसदीय कार्य एवं सूचना-प्रसारण मंत्री सत्य नारायण सिन्हा की भतीजी हैं। श्री सिन्हा ने 1948 से 1969 तक बिहार की समस्तीपुर (तत्कालीन दरभंगा) लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया और बाद में 1971 से 1977 तक मध्य प्रदेश के राज्यपाल भी रहे। इस खास मौके पर केंद्रीय विधि सचिव अंजू राठी राणा और उनके पति आर. एस. राणा (प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के लोक अभियोजक) ने भी उपस्थित होकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। राकेश कुमार सिंह की पत्नी एवं दिल्ली राज्य पैरा ओलंपिक समिति की अध्यक्ष श्रीमती पारुल सिंह भी समारोह में उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दिन श्रीमती सिंह के प्रेरणादायी जीवन की गरिमामयी झलक है। इस दौरान अपने विचार साझा करते हुए श्रीमती चंपा सिंह ने कहा, ह्लमैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे छोटे-छोटे कदम इतने लोगों के जीवन को छू पाएंगे। 75 की उम्र में भी मैं खुद को पहले से कहीं अधिक समर्पित महसूस करती हूं, उन आवाजों के लिए जो अक्सर अनसुनी रह जाती हैं, खासकर महिलाएं और बच्चे, जिन्हें आगे बढ़ने के पूरे अवसर मिलने चाहिए।ह्व इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार सिंह ने कहा, ह्लमेरी मां ने अपने धैर्य, अनुशासन और स्नेह से न सिर्फ हमारे परिवार को आकार दिया, बल्कि समाज के कई लोगों के जीवन को भी छुआ। यह जन्मदिन केवल एक उम्र का आंकड़ा नहीं, बल्कि उनके सफर और हमारे लिए उनके मायने की गहरी याद है। समारोह में केक काटने के साथ-साथ अतिथियों के बीच आत्मीय संवाद और एक पारिवारिक रात्रिभोज का आयोजन हुआ।

बिहार विभूति अनुग्रह नारायण सिंह के जयंती पर निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित अनुग्रह नारायण स्मारक समिति के प्रांगण में भारत माता के अमर सपूत महान स्वतंत्रता सेनानी आधुनिक बिहार निमार्ता, बिहार विभूति अनुग्रह नारायण सिंहा जी की 138वीं जयंती समारोह के अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।स्मारक समिति के उपाध्यक्ष अरविंद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के प्रथम सत्र में अनुग्रह बाबू के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा किया गया। औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, पुलिव अधीक्षक अम्बरीष राहुल,उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह,अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह,पुलिस उपाधीक्षक अभिषेक कुमार,जिला परिषद औरंगाबाद के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह,संस्था के सचिव अभिषेक प्रताप सिंह उर्फ चुलबुल सिंह,कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू बाबू,कौशलेंद्र प्रताप नारायण सिंह,शैलेंद्र दुबे,कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर विजय कुमार सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी श्याम बिहारी सिंह सहित अन्य लोगों ने स्मारक स्थल में स्थापित अनुग्रह बाबू के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए।जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने कहा कि 1917 ई के बिहार के चंपारण सत्याग्रह में महात्मा गांधी को बिहार में बुलाने में इन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। संविधान सभा के गठन में योगदान दिया था आधुनिक बिहार के नवनिर्माण में सराहनीय भूमिका निभाई।अ से अनुग्रह नारायण और अ से औरंगाबाद महज संयोग है जो एक दूसरे के साथ अन्योन्याश्रित है। हमें उनके बताएं मार्ग पर चलना चाहिए आरक्षी अधीक्षक महोदय ने कहा कि बिहार के विकास में अनुग्रह बाबू का अप्रतिम योगदान रहा है।डीडीसी अनन्या सिंह ने कहा कि अनुग्रह बाबू के अप्रतिम योगदान के कारण ही औरंगाबाद की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर हैं।उनके पद चिन्हों पर चलकर ही हम नवीन समाज की संरचना कर सकते हैं। संतन कुमार सिंह ने कहा कि बिहार के विकास में अनुग्रह बाबू की अविस्मरणीय भूमिका है। उनके बताएं मार्ग पर चलकर ही हम आगे बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया।डॉ अभिषेक कुमार के नेतृत्व में लगाए गए शिविर में सैकड़ो मरीजों का निःशुल्क इलाज किया गया। उनकी जांच भी की गई जांचोंपरांत दवाइयां भी दी गई। संस्था के सचिव अभिषेक प्रताप सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।मौके पर विधायक प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह,पृथ्वीराज चौहान ट्रस्ट के सचिव स्वर्णजीत कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह,कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह,प्रसिद्ध ज्योतिर्विद शिवनारायण सिंह,राम भजन सिंह, प्रोफेसर ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह,कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मृत्युंजय सिंह एवं अरविंद कुमार सिंह,शाहनवाज रहमान,व्यास राम,रामविलास सिंह,श्याम बली पासवान सहित अन्य उपस्थित थे।

राजस्व विभाग में सुधार की बड़ी पहल, मंत्री संजय सरावगी ने दिए निगरानी प्रणाली को मजबूत करने के निर्देश

पटना:

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी की अध्यक्षता में बुधवार को उनके कार्यालय कक्ष में बिहार राजस्व सेवा के अधिकारियों/ अंचलाधिकारियों पर गठित आरोप, परिवाद से संबंधित लंबित वादों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, सचिव जय सिंह, सचिव गोपाल मीणा भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान लम्बित वादों की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की गई। मंत्री सरावगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे वादों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि गलत करने वालों को सजा मिले और निर्दोष को न्याय। इससे प्रशासनिक पारदर्शिता बनी रहेगी तथा अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि लम्बित मामलों के निपटारे में ढिलाई किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने जिलों से प्राप्त होने वाले प्रतिवेदन की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही कहा कि ऐसे अधिकारी जिनपर गंभीर प्रकृति के आरोप लगे हों, उनपर त्वरित कार्यवाई सुनिश्चित की जाये। अपर मुख्य सचिव ने मंत्री को लम्बित वादों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराते हुये कहा कि सभी मामलों की लगातार समीक्षा कर पुराने मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा सुनिश्चित कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी/राजस्व अधिकारी पर कार्रवाई के कुल 544 मामलों का निपटारा किया गया है। इसमें 248 को लघु दंड, 92 को वृहद दंड, 89 की पेंशन कटौती और 135 पर चेतावनी की कार्रवाई की गई। इनमें से 234 मामलों का निष्पादन वर्ष 2024-2025 में किया गया है। राजस्व मंत्री ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय निगरानी प्रणाली को और मजबूत कर निष्पादन प्रक्रिया को गति दी जाये और यह सुनिश्चित किया जाये कि लंबित वाद जल्द से जल्द सुलझाए जाएं। मंत्री सरावगी ने ऐसे आवेदन जो मुख्यालय में आते हैं उनके निष्पादन के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोग उम्मीदों के साथ विभाग में आकर अपना आवेदन देते हैं, हमें उनका यह विश्वास बनाये रखना है। इसके लिये ऐसी व्यवस्था बनायी जाये कि इन आवेदनों की समुचित जांच के पश्चात त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाये। निष्पादन के क्रम में आवेदनों के अद्यतन स्थिति की जानकारी भी संबंधित अधिकारियों को रहे। ऐसी व्यवस्था का निर्माण किया जाये। समीक्षा बैठक में चकबंदी निदेशक राकेश कुमार, संयुक्त सचिव अनिल कुमार पांडेय, विशेष कार्य पदाधिकारी मणिभूषण किशोर समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

वैशाली और देवरिया के बीच ट्रेन सेवा

बिहार के वैशाली जिले में 29 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली वैशाली और देवरिया के बीच एक नई ट्रेन सेवा की शुरूआत से कृषि उपज के परिवहन में सुधार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि के कारण स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। यह क्षेत्रीय संपर्क और सीमा व्यापार गलियारे को भी मजबूत करेगा, साथ ही आंतरिक गांवों तक बेहतर रेल पहुंच सुनिश्चित करेगा, जिससे दैनिक आवागमन और आजीविका को सहारा मिलेगा।

लोकोमोटिव फैक्ट्री, मढ़ौरा, सारण से गिनी को पहला निर्यात लोकोमोटिव

बिहार लोकोमोटिव निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो स्थानीय आबादी के लिए महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है। यह विकास 'मेक इन इंडिया' पहल को एक बड़ा बढ़ावा देता है और इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देता है। यहाँ उत्पादित किए जा रहे अत्याधुनिक 4500 एचपी लोकोमोटिव में उच्च ईंधन दक्षता, उच्च तापमान वाले वातावरण में विश्वसनीय प्रदर्शन, ब्रेकिंग सिस्टम और एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किए गए वातानुकूलित ड्राइवर कैब शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए रेलवे कर्मचारियों को उन्नत सिमुलेटर और विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है ।

भूरकुंडा की सड़क या 'गड्ढों की श्रृंखला

हल्की बारिश में ही उभरा विकास का आईना

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह प्रखंड के भूरकुंडा गांव की ओर जाने वाली मुख्य सड़क की हालत ऐसी हो गई है मानो यह गड्ढों की कोई सरकारी परियोजना हो। हल्की बारिश हुई नहीं कि सड़क की परतों से उखड़ी हुई मिट्टी और टूटी पिच पर पानी भर गया। सड़क का असली चेहरा तब दिखाई देता है जब बाइक या पैदल गुजरने वाला कोई ग्रामीण अचानक छपाक करता हुआ गड्ढे में जा गिरता है। ग्रामीणों के मुताबिक यह सड़क अब ₹सड़क₹ नहीं रही, बल्कि एक परीक्षण स्थल बन चुकी है – जिसमें हर गुजरने वाले को अपनी किस्मत और संतुलन की परीक्षा देनी पड़ती है। जगह-जगह बने गड्ढों में पानी भरने से गहराई का अंदाजा नहीं होता और लोग आए दिन गिरकर घायल हो रहे हैं।

गिनती से बाहर हैं गड्ढे

स्थानीय निवासी राम नरेश सिंह कहते हैं, इस सड़क पर जितने गड्ढे हैं, शायद उतनी जनसंख्या नहीं होगी गांव की।ह्व वहीं, स्कूल जाने वाले बच्चों के अभिभावकों ने बताया कि कई बार बच्चे कीचड़ से लथपथ होकर स्कूल पहुंचते हैं या बीच रास्ते से वापस लौट आते हैं।

बारिश नहीं, सिस्टम बहा रहा है

यह विडंबना ही है कि बारिश तो हल्की हो रही है, लेकिन लोगों की सहनशीलता की बाढ़ आ गई है। जलनिकासी की कोई व्यवस्था नहीं है, सड़क के किनारे न नाली है, न ढलान। ऐसे में हर गड्ढा एक छोटे पोखर में बदल जाता है। प्रशासनिक नजरअंदाजी पर सवाल ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत प्रतिनिधियों और विभागीय अभियंताओं को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। फोटो खिंचवाना आता है, पर सड़क की मरम्मत नहीं,– ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों पर कटाक्ष किया। गड्ढा पहचानो प्रतियोगिता की तैयारी आक्रोशित ग्रामीण अब व्यंग्यात्मक तरीके से विरोध करने की सोच रहे हैं। वे गड्ढा पहचानो प्रतियोगिता का आयोजन कर सड़क पर पोस्टर लगाकर सरकार को यह बताना चाहते हैं कि यहां विकास नहीं, केवल उपेक्षा का गड्ढा है।भूरकुंडा की सड़क सिर्फ एक मार्ग नहीं, एक उदाहरण है – कि किस तरह योजनाओं की फाइलों में विकास तो होता है, पर जमीन पर केवल गड्ढे उभरते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जनक चमार ने दिघवारा राई पट्टी मे सड़क हादसे मे मरें हुए पीड़ित परिजन से मुलाकात कर सांत्वना दिया

भाजपा नेता राकेश सिंह ने भी पीड़ित के परिवारों से की

मुलाकात

पटना , ।

बिहार सरकार में मंत्री जनक चमार ने दिघवारा राई पट्टी मे सड़क हादसे मे मरें हुए पीड़ित परिजन से मुलाकात कर सांत्वना दिया और परिजन के प्रति गहरी सम्बेदना प्रकट की और माननीय मंत्री ने कहा की यह बहुत ही हिर्दय विदारक घटना है यह ऐसी घटना है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती यह घटना से पूरी तरह मरमाहत हूँ और कहा की सरकार पीड़ित परिवार के साथ है और सभी लोगो को सरकारी सहायता राशि मिलेगी इस अवसर पर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह पूर्व मुखिया हरी सहनी रमाकांत सिंह मंडल अध्यक्ष दीपक गुप्ता भाजपा नेता हेम नारायण सिंह उपेंद्र सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे उन्होंने पीड़ित अरुण राम भगवान पासवान जोगेन्दर भगत सुरेश पासवान के परिजन से मिले इस अवसर पर उन्होंने घायल लोगो के परिजन से मिलकर हाल चाल जाना और घायल लोगो का चल रहे पटना PMCH और IGIMS मे चल रहे इलाज मे कोई परेशानी नहीं हो इस–ाके लिए उन्होंने दोनों हॉस्पिटल के अधीक्षक से बात दिशा निर्देश दिया और कहा की इलाज मे किसी तरह की लापरवाही बर्दास्त नहीं होगा।

115वां टएरव खरफकैंप साहेबगंज के बरहेट में जारी है स्वास्थ्य सेवा का अभियान

साहिबगंज:

साहेबगंज जिला के +2 एस.एस.डी. हाई स्कूल, बरहेट में आयोजित टएरव खरफ(मोबाइल ईएनटी सर्जिकल यूनिट, जमशेदपुर) का 115वां शिविर जनसेवा के प्रति समर्पित भाव से जारी है। तीसरे दिन के ओपीडी रिपोर्ट के अनुसार कुल 75 मरीजों की जांच की गई, जिसमें से 12 मरीजों को शल्य चिकित्सा हेतु चयनित किया गया जबकि 5 मरीजों को उच्च चिकित्सा के लिए चेन्नई रेफर।कुल 327 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई है।इनमें से 53 मरीजों को ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया है।जबकि 26 गंभीर मामलों को चेन्नई रेफर किया गया है।इस कैंप का उद्देश्य दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ENT संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को मुफ्त जांच, परामर्श और जरूरत अनुसार ऑपरेशन एवं रेफरल की सुविधा प्रदान करना है।यह कैम्प आगामी 22 जून, 2025 तक जारी रहेगा। कैम्प का समय प्रतिदिन सुबह 07:00 से दोपहर 01:00 बजे तक है।MESU की टीम, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में जुटी हुई है। यह शिविर जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे सैकड़ों लोगों को राहत मिल रही है।

आदेश के चौथे दिन भी पीएचसी गोह में जमे रहे डॉअभिनव चंद्रा,

प्रभार नहीं मिला डॉ. शिव शंकर को

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी), गोह में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियुक्त किए गए नए प्रभारी-सह-निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी डॉ. शिव शंकर कुमार को अब तक प्रभार नहीं सौंपा गया है। जबकि मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि 24 घंटे के भीतर प्रभार का आदान-प्रदान किया जाए। जानकारी के अनुसार, आदेश जारी हुए चार दिन बीत चुके हैं, लेकिन पूर्व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अभिनव चंद्रा अब भी पीएचसी गोह में कार्यरत हैं और उन्होंने प्रभार हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं की है। इससे अस्पताल के प्रशासनिक कार्यों और वित्तीय संचालन में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ज्ञात हो कि स्वास्थ्य विभाग, बिहार द्वारा डॉ. शिव शंकर कुमार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गोह में प्रभारी-सह-निकासी पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। विभागीय अधिसूचना और कोषागार संहिता के नियम 84 के तहत उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस देरी पर स्वास्थ्यकर्मियों में भी असंतोष देखा जा रहा है। अस्पताल में सेवाओं की नियमितता और बजट की प्रक्रिया भी इस अस्थिरता से प्रभावित हो रही है। संबंधित अधिकारियों से उम्मीद है कि जल्द ही स्थिति स्पष्ट कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में बाधा न आए। जिम्मेदारों की चुप्पी पर भी उठ रहे सवाल स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों की चुप्पी और आदेश की अनदेखी को लेकर भी स्थानीय स्तर पर सवाल उठने लगे हैं। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए प्रशासनिक स्पष्टता आवश्यक है, जिसकी फिलहाल गंभीर कमी देखी जा रही है।

4 फरार अभियुक्त गिरफ्तार भेजे गए जेल

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

आपराधिक मामलों में फरार आरोपितों के विरुद्ध पुलिसिया कार्यवाई तेज की गई है। आगामी विधानसभा चुनाव के बाबत भी सक्रियता तेज हुई है। तारापुर थाना के विशेष छापेमारी अभियान में अपर थाना अध्यक्ष अभिनंदन कुमार के नेतृत्व में दरोगा अनिल सिंह, प्रशिक्षु दारोगा चन्द्रशेखर मिश्रा, राज कुमार राम एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने चार गैर-जमानती वारंटी को गिरफ्तार किया गया। जानकारी देते हुए अपर थानाध्यक्ष अभिनंदन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और लंबित कांडों में फरार गैर-जमानती वारंटी, लाल वारंटी और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने साढ़ी गांव से राजा कुमार , फुलकित यादव , बिहारी यादव और उर्दू चौक निवासी साजन उर्फ सज्जाद को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फरार आरोपितों के गिरफ्तारी का अभियान लगातार चलता रहेगा।

कहलगांव थाने में महिला को एससी एसटी केस मे फसाने की धमकी

दिव्य दिनकर

कहलगांवः- दरोगा ने फरियादी महिला को थाने से भगाया, कुछ दिन पहले संघ के एक वरिष्ठ स्वयंसेवक को थाना प्रभारी ने एक मामले से हटने को लेकर दी थी झूठा एससी एसटी केश में फसाने की धमकी, वही थाना में कौन केस दर्ज होगा नहीं होगा यह थाना प्रभारी नहीं हम तय करते है यह बात संजीव कुमार ने कहाँ क कहलगांव थाना के दबंग दरोगा के रवैया को देखते हुए जनता में है काफी आक्रोश, कभी भी हो सकता है आंदोलन, कहलगांव थाना के अंदर से ही बहुत बड़ा मामला निकल कर सामने आया है जब एक पीड़ित महिला फरियादी न्याय मांगने के लिए आवेदन लेकर जब कहलगांव थाना पहुंची तो दबंग थाना प्रभारी अतुलेश सिंह नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव कुमार और मौजूद असामाजिक तत्व ने आए महिला फरियादी को बेइज्जत करते हुए मनकहा आपका आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं होगा ना ही एफ आई आर दर्ज होगा, आप यहां से चले जाइए तभी वहीं मौजूद नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा की थाना मेरे कहने पर उठता है मेरे कहने पर बैठता है तुमको जो समझ में आता है तुम करो? तुम जो सारा बात पत्रकार को बताई हो बहुत बड़ा गलती की हो तुम चुपचाप थाना से चले जाओ नहीं तो ऐसा एससी एसटी केस में उलझाएंगे की बर्बाद हो जाओगी थाना में कौन केस दर्ज होगा नहीं होगा यह थाना प्रभारी नहीं हम तय करते हैंक इतना कहकर संजीव कुमार और मौजूद लोगो ने और भी कई तरह की अभद्र बातें पीड़ित महिला को कहीं कतब पीड़ित महिला ने उक्त सभी बातें स्थानीय समाजसेवक मनोज यादव को बताइ साथ में स्थानीय पत्रकारो को जानकारी देने के साथ साथ महिला ने उक्त मामले की सूचना कहलगांव के डीएसपी कल्याण आनंद, कहलगांव एसडीएम अशोक कुमार मंडल सहित जिले के वरीय पदाधिकारी एसएसपी आईजी व महिला आयोग को देकर न्याय की गुहार लगाई है कज्ञात हो की इसके पहले भी कहलगांव थाना प्रभारी के द्वारा माफियाओं से मिलकर कहलगांव वार्ड नंबर 16 के रहने वाले श्याम यादव और पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल के ऊपर झूठा एससी एसटी केस दर्ज करवा दिया गया थाकजब फरियादी महिला के साथ थाने के अंदर हुए इस अभद्रता की जानकारी स्थानीय जनता को पता चली तो जनता के बीच तरह-तरह की चर्चा उठने शुरू हो गई और कहलगांव थाना प्रभारी तथा नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव कुमार के रवैयों को

लेकर काफी आक्रोश व्यक्त करने लगे क जनता ने कहा कि अगर महिला को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन खड़ा किया जाएगाकवही गांधी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजसेवी मनोज यादव ने कहा कहलगांव थाना प्रभारी का रवैया जनहित में नहीं है इसे तुरंत हटाया जाए और महिला के आवेदन पर कार्यवाही की जाए कजनसूराज पार्टी के पदाधिकारी व पूर्व उप मुखिया निशिकांत मंडल ने कहा कहलगांव थाना प्रभारी का जो तरीका है यह काफी गलत और नींदनीय है, वरीय पदाधिकारी संज्ञान लेकर महिला और पत्रकार तथा कहलगांव की जनता के साथ न्याय करें क

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार काउंसिल के जिला अध्यक्ष ने बताया की कहलगांव थाना प्रभारी के द्वारा पहले भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश तथा पुलिस महानिदेशक के आदेश का अवमानना करने को लेकर भागलपुर सीजीएम में मामला भी दर्ज करवाया जा चुका है कथाना प्रभारी कहलगांव कई भ्रष्टाचार में शामिल हैं और माफियाओं से मिले हुए हैं इस थाना प्रभारी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए इन्होंने पत्रकार के साथ-साथ आम जनता के साथ काफी गलत कृत किया है जो कानूनंन अपराध है राष्ट्रीय स्वयं संघ के एक स्वयंसेवक ने बताया की कहलगांव थाना प्रभारी ने पहले भी संघ के एक वरिष्ठ कार्यकर्ता को भी एक मामले से पीछे हटने के लिए झूठा एससी एसटी केश में फंसा कर बर्बाद करने की धमकी दी थी क वहीं कहलगांव के समाजसेवी सह पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल ने बताया कि कहलगांव के श्री कृष्ण गौशाला में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं शहर में बिकने वाले ब्राउन शुगर के कारण शहर में आए दिन युवक और किशोर आत्महत्या करने के मामले का लगातार उद्वेदन करने को लेकर गौशाला कमेटी और नशा माफियाओ के द्वारा झूठा एससी एसटी केस में फसाने की धमकी धमकी दी जा रही है जिसकी सूचना पत्रकार ने वरीय पदाधिकारी सहित कहलगांव थाना प्रभारी को दिया था परंतु थाना प्रभारी ने सूचना मिलने के बाद भी पत्रकार पर झूठा एससी एसटी केश बिना जांच के ही दर्ज कर लिया कहलगांव अधिवक्ता संघ के कई अधिवक्ताओं ने कहा कहलगांव थाना प्रभारी का जो कृत्य है वह कानून का सीधा- सीधी उल्लंघन है कपीड़ित महिला और पत्रकार के साथ जो गलत हुआ है उसे न्याय मिलेक

अतिक्रमणकारियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश अनुसार नगर पंचायत संग्रामपुर में अंबेडकर चौक से लेकर अस्पताल चौक तक व्यवसायियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को जेसीवी के माध्यम से से मुक्त कराया गया। इस दौरान प्रशासन को कुछ जगह पर ग्रामीणों के विरोध का भी सामना करना पड़ा लेकिन प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण मुक्त कर लिया गया। वही अंचला अधिकारी निशीथ नंदन ने बताया कि अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार रंजन के निर्देश पर संग्रामपुर बीडीओ अनीश रंजन थानाध्यक्ष विनोद कुमार झा बीपीआरओ अमरजीत कुमार सावरी आदि के नेतृत्व में अभियान

चलाकर अंबेडकर चौक से अस्पताल चौक तक अतिक्रमण मुक्त कराया गया।साथ ही नदी किनारे सत्संग भवन के नाम पर सरकारी जमीन पर बनाए गए भवन को भी तोड़ा गया। प्रशासन के इस कारवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया. वहीं आम लोग इस कारवाई से खुश नजर आ रहे थे। अंचल अधिकारी ने कहा गुरुवार को संग्रामपुर बाजार को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। ताकि सावन में किसी प्रकार की कोई समस्या नही हो, मौके पर मौजूद बीडीओ अनीश रंजन ने बताया कि बाजार जाने वाली सड़कों व चौराहों को स्थानीय व फुटकर दुकानदार अतिक्रमण कर दुकान चलाते हैं,जिससे जाम की समस्या बना रहता है तथा आवागमन में लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने सभी फुटपाथी दुकानदार को हिदायत देते हुए कहा कि सड़क को अतिक्रमण से हर हाल में मुक्त रखे। उन्होंने कहा कि व्यवस्था के उल्लंघन करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी मौके पर संग्रामपुर थाना के पुअनि सत्यम कुमार,अंकित कुमार,एस आई धनंजय कुमार,संजय सिंह आदि काफी संख्या मे पुलिस बल और और आंचल के कर्मचारी मौजूद थे।

सोन नहर आधुनिकीकरण की माँग की गई है

रिपोर्ट - निशांत कुमार

हसपुरा(औरंगाबाद) :- सोन नदी से निकली इंद्रपुरी बराज से नौ जिलों का जमीन नहरों से सिंचित होता है।नहरों की जर्जर स्थिति होने से अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुँच पा रहा है।औरंगाबाद,अरवल ,जहानाबाद, गया,पटना,रोहतास,आरा,बक्सर एवं कैमूर जिला का क्षेत्र इन नहरों के पानी से सिंचित होता है। इन नहरों को अंग्रेज के शासनकाल में 1875 में इंजीनियर डिकेन्स के देख रेख में बना था।उस समय नहरों का जीवन काल 100 वर्ष तक निर्धारित किया गया था।आजादी के 78 वर्ष बीतते ही नहरों की स्थिति बद से बदत्तर हो गई है।अंग्रेजों के जमाने में नहरों का देख रेख और सुदृढ़ीकरण बेहतर था।आजाद भारत में इन नहरों की स्थिति खराब ही होते जा रही है।इस क्षेत्र की अस्सी प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है।सिचाई का मुख्य साधन यह नहर है। हर जिले के अंतिम छोर के किसान निराश हो गए हैं।उनके खेतों तक पानी नहीं पहुँच पा रहा है। समाजसेवी कामता प्रसाद कुशवाहा ने पत्र के माध्यम से बिहार के मुख्यमंत्री का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया लेकिन विभागीय पदाधिकारी द्वारा हमेशा सरकार को दिग्भर्मित किया गया। श्री कुशवाहा ने बिहार सरकार और केन्द्र सरकार से माँग की है कि सोन नहर का नए सिरे से आधुनिकीकरण कराया जाय ताकि बहुत बड़े आबादी को इसका लाभ मिल सके।

तारापुर में बाईपास, पर्यटन स्थल और व्यवहार न्यायालय निर्माण को लेकर प्रशासनिक पहल तेज

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

तारापुर अनुमंडल मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में जनसुविधा बहाली को लेकर सरकारी योजनाएं अब धरातल पर उतरने लगी हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान स्वीकृत तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं–तारापुर रिंग रोड बाईपास, गोगाचक के पास पर्यटन स्थल विकास और सोनडीहा में व्यवहार न्यायालय निर्माण–के लिए बुधवार को पांच सदस्यीय जिला स्तरीय टीम ने स्थलीय निरीक्षण किया।अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार ने बताया कि रणगांव से धौनी और बंशीपुर से बिहमा तक जाने वाली प्रस्तावित रिंग रोड के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को लेकर स्थल का मूल्यांकन किया गया। इसके अलावा गोगाचक के पास तिलडीहा दुर्गास्थान और कांवरियों की यात्रा को

ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग द्वारा भूमि अधिग्रहण कर वहां आधारभूत सुविधाएं विकसित करने की योजना पर भी रिपोर्ट तैयार की गई।सोनडीहा में व्यवहार न्यायालय निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल का भी निरीक्षण किया गया। अब टीम गुरुवार को जिलाधिकारी को प्रतिवेदन सौंपेगी, जिसके बाद भूमि अधिग्रहण और मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर कार्य की निविदा निकाली जाएगी।इस टीम में मुंगेर के अपर समाहर्ता मनोज कुमार, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, जिला भू अर्जन पदाधिकारी भूमि सुधार उपसमाहर्ता दिलीप कुमार, अंचलाधिकारी संतोष कुमार तथा अवर निबंधन पदाधिकारी अमन कुमार नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी नितेश कुमार शामिल थे। इनके साथ राजस्व कर्मचारी भी मौजूद थे।बतादें कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने इन परियोजनाओं को स्वीकृति दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। वे कई बार अधिकारियों संग स्थलीय निरीक्षण कर चुके हैं। प्रशासन का लक्ष्य आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व इन योजनाओं पर कार्य आरंभ करने का है। रिंग रोड निर्माण से तारापुर होते हुए भागलपुर, मुंगेर और जमुई की ओर जाने वाले यात्रियों को जाम से राहत मिलेगी और स्थानीय निवासियों को सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा।

नौकरी का झांसा देकर युवती से गैंगरेप! पहले कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर दिया...फिर कमरे में ले जाकर किया घिनौना काम

मुजफ्फरपुरः

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से दुष्कर्म का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां पर नौकरी दिलाने के नाम पर नशा पिलाकर एक महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने इस–ाका वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया और उसे वायरल करने की धमकी दी। वहीं, अब परेशान होकर पीड़िता ने सारण के थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद जीरो एफआईआर के आधार पर मामला मुजफ्फरपुर स्थानांतरित कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र का है। 33 साल की पीड़िता सारण के भगवान बाजार थाना क्षेत्र में अपने मामा के साथ रहती है। पीड़िता के अनुसार, वह खरीदारी करने के लिए बस से मुजफ्फरपुर जा रही थी, तभी रास्ते में उसे एक युवक मिला। युवक नौकरी का झांसा देकर उसे अहियापुर स्थित एक विवाह भवन ले गया। वहां पर उसने पहले से मौजूद एक व्यक्ति को अपना जीजा बताया और कहा कि यह तुम्हें नौकरी दिलाएगा। इसी दौरान दोनों ने उसे नशीला पदार्थ मिलाकर मिठाई और कोल्ड ड्रिंक दी और फिर कमरे में ले गए। इसके बाद बारी-बारी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने इसका वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया और धमकी दी कि अगर किसी को बताया तो जान से मार देंगे और वीडियो को भी वायरल कर देंगे। बाद में महिला चुपचाप छपरा आ गई और काफी दिनों तक किसी को यह बात नहीं बताई। हालांकि, बार-बार पूछने पर पीड़िता ने मामा को आपबीती बताई। वहीं, इसके बाद पीड़िता ने परिजनों की मदद से सारण जिले के महिला थाने में बयान दर्ज कराया, जिसके बाद जीरो एफआईआर के आधार पर मामला अहियापुर थाने को स्थानांतरित कर दिया गया। थानाध्यक्ष रोहन कुमार ने बताया कि दोनों आरोपित अहियापुर थाने के जीरोमाइल के हैं। दोनों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर आगामी 29 जून को पटना के मिलन हाई स्कूल में यदुवंशी लगाएंगे हुंकार

पटना में आयोजित अहीर रेजिमेंट महारैला में जोरदार ढंग से उठाई जाएगी अहीर रेजिमेंट की मांग

अहीर रेजिमेंट हक है हमारा₹ के नारे के साथ पटना में यदुवंशियों का होगा महा जुटान

मुंगेर/पटना।

अहीर रेजिमेंट मोर्चा के गठन की मांग को लेकर श्री कृष्ण चेतना परिषद के तत्वावधान में दरोगा राय पथ पटना में एकदिवसीय सम्मेलन सह समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। एक दिवसीय सम्मेलन सह समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता डॉ विद्या शंकर यादव ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ बबन यादव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व एसपी अभियान मनोज यादव मौजूद थे। सम्मेलन के दौरान बिहार एवं झारखंड के विभिन्न जिलों से यदुवंशी संगठन के पदाधिकारी तथा कार्यकताओं ने ₹अहीर रेजिमेंट हक है हमारा₹ विषय पर जोरदार ढंग से आवाज उठाया। अपने संबोधन में डॉ विद्या शंकर यादव, डॉ बबन यादव, पूर्व एसपी अभियान मनोज यादव,

अंतर्राष्ट्रीय यदुवंशी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक कुमार यादव, रंजीत राय, बृजनंदन सिंह, नीलू यादव तथा फौजदारी सिंह ने भारत सरकार से मांग करते हुए कहा कि भारतीय सेना में गोरखा राइफल्स, राजपूत रेजीमेंट, राजपूताना राइफल्स, सिख रेजिमेंट, जाट रेजीमेंट, मराठा लाइट इन्फेंट्री, सिक्ख लाइट इन्फेंट्री, महर रेजिमेंट, डोगरा रेजिमेंट सरीखे रेजीमेंट अपनी विशेषता के आधार पर भारतीय सेना को मजबूती प्रदान करती आ रही है। भारतीय सेना में अहीर अथवा यदुवंशी समुदाय के जवानों का योगदान सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है। जिसके आधार पर यदुवंशी समुदाय की ओर से लंबे अरसे से भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट की स्थापना को लेकर मांग की जा रही है। अब वक्त आ गया है कि जब सरकार को इस दिशा में फैसला लेते हुए भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट का गठन करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। सरकार के द्वारा भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट का गठन करने से भारत की सैन्य व्यवस्था और अधिक होगी तथा भारतीय सेना में यदुवंशी समुदाय के जवानों के साथ हो रहे भेदभाव के मामले में भी काफी हद तक लगाम लग सकेगा। समीक्षात्मक बैठक के दौरान आगामी 29 जून को पटना के मिलन हाई स्कूल मैदान में अहीर रेजिमेंट मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित एकदिवसीय अहीर रेजिमेंट महारैला की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। अंतरराष्ट्रीय यदुवंशी महासभा राष्ट्रीय प्रतिनिधि के रूप में शामिल चंदन यादव तथा पत्रकार पवन कुमार चौधरी ने कहा कि मोर्चा के संयोजक डॉ बबन यादव के नेतृत्व में आयोजित अहीर रेजिमेंट महारैला में बिहार और झारखंड से लाखों की संख्या में यदुवंशी हिस्सा लेंगे और इस महारैला को सफल बनाएंगे।

बेगूसराय में दर्दनाक हादसाः नदी में नहाने गए 4 युवकों की डूबने से मौत, गांव में पसरा मातम

खोदवंदपुर,

बेगूसरायः बिहार के बेगूसराय जिले में बुधवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया, जहां नुरूल्लाहपुर गांव के पास बूढ़ी गंडक नदी में नहाने गए आठ युवकों में से चार की डूबने से मौत हो गई। बाकी चार युवकों को स्थानीय लोगों ने समय रहते पानी से बाहर निकाल लिया। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नहाने के दौरान हुआ हादसा भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए गांव के कई युवक दोपहर में नदी में नहाने गए थे। इस दौरान उन्हें नदी की गहराई का अंदाजा नहीं था। एक युवक के डूबने पर जब दूसरे उसे बचाने उतरे, तो एक-एक कर आठ लोग डूबने लगे। चार को तो किसी तरह बाहर निकाल लिया गया, लेकिन बाकी चार युवकों की मौत हो गई। चार की मौत, दो सगे भाई भी शामिल मृतकों की पहचान नुरूल्लाहपुर गांव के रहने वाले नीतीश कुमार (14), अभिषेक कुमार (18), अविनाश कुमार (19) और रोशन कुमार (12) के रूप में की गई है। इनमें अभिषेक और अविनाश सगे जुड़वां भाई थे। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में सन्नाटा छा गया है। पुलिस मौके पर पहुंची, जांच शुरू घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

रुपया 29 पैसे लुढ़का

एजेंसी

मुंबई। इजराइल और ईरान में तनाव बढ़ने के बीच कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 29 पैसे लुढ़ककर दो महीने के निचले स्तर 86.34 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया।वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.04 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया सात पैसे की बढ़त लेकर 85.97 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर बिकवाली बढ़ने से 85.89 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली होने से यह 86.34 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया और इसी स्तर पर बंद भी हुआ।

भारत में बने खिलौनों की वैश्विक बाजार में जबरदस्त मांग

नई दिल्ली। भारत अब खिलौनों का आयात करने के बजाय निर्यात कर रहा है। छोटा भीम से लेकर मोटू-पतलू तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे। यहां बने खिलौनों की गुणवत्ता दुनियाभर के मानकों से बेहतर है। शून्य से 16 साल तक के बच्चों के खिलौने बनाने वाली कंपनियां अपने उत्पादों के विदेशी बाजारों में पहुंचाने से उत्साहित हैं। यह स्थिति सिर्फ दो साल में बदली है। यहां के खिलौने स्वास्थ की दृष्टि से भी बड़े पैमाने पर परखे हुए हैं। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), मुंबई के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय प्रयोगशाला (डब्ल्यूआरओएल) के वैज्ञानिक और निदेशक अद्भुत सिंह ने कहा, बीआईएस मानकों ने घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में भारतीय खिलौनों की बिक्री बढ़ाने में सहायता की है। उन्होंने कहा, भारतीय मानक हमारी मौसम स्थितियों और अन्य घरेलू जरूरतों के अनुसार बनाए गए हैं। जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का खिलौना निर्यात 2023-24 में मामूली रूप से घटकर 15.23 करोड़ से ज्यादा अमेरिकी डॉलर रह गया, जो पिछले वर्ष 15.38 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। नए आंकड़ों के अनुसार भारत में 1,640 बीआईएस-प्रमाणित खिलौना उद्योग हैं, जिनमें से 1,165 लाइसेंस गैर-इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों और 475 इलेक्ट्रिक खिलौनों के लिए हैं।

सेबी ने शेयर विश्लेषक संजीव भसीन और 11 अन्य पर लगाए प्रतिबंध

नई दिल्ली। सेबी ने आईआईएफएल सिक्योरिटीज के पूर्व निदेशक संजीव भसीन और 11 अन्य लोगों को मंगलवार को प्रतिभूति बाजारों से प्रतिबंधित कर दिया। यह कार्रवाई?टीवी चैनलों और सोशल मीडिया मंचों पर स्टॉक संबंधी सुझाव देने से जुड़े मामले में शेयरों की हेराफेरी में शामिल होने पर की गई है। 11.37 करोड़ की अवैध ढंग से अर्जित आय भी लौटाने का निर्देश दिया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 149 पन्नों के आदेश में कहा, भसीन टीवी चैनलों पर नजर आने वाले मशहूर अतिथि विशेषज्ञ थे।?सोशल मीडिया पर भी बड़ी संख्या में फॉलोअर हैं। आईआईएफएल के साथ एक निदेशक या सलाहकार के रूप में भसीन ने मीडिया चैनलों, टेलीग्राम और आईआईएफएल मंचों के जरिये शेयरों के बारे में सिफारिशें कीं। सेबी की ओर से 13-14 जून, 2024 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कई स्थानों पर तलाशी से वॉट्सएप चैट और ऑडियो रिकॉर्डिंग सहित महत्वपूर्ण सबूत मिले थे। इनसे पता चला कि मीडिया चैनलों पर आने से पहले भसीन ट्रेडिंग सदस्य आरआरबी मास्टर सिक्योरिटीज दिल्ली के डीलरों के जरिये जेमिनी पोर्टफोलियो, वीनस पोर्टफोलियो और एचबी स्टॉक होल्डिंग्स के ट्रेडिंग खातों में अपनी पोजिशन ले लेते थे, जो खरीद ऑर्डर होते थे।

रिकॉर्ड कीमतों के बावजूद दुनियाभर के केंद्रीय बैंक बढ़ाते रहेंगे स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली। आर्थिक अनिश्चितताओं और कई देशों में तनाव के बीच दुनियाभर के केंद्रीय बैंक सोने की खरीदारी आगे भी जारी रखेंगे। इसके साथ ही, वे अमेरिकी डॉलर से दूरी बनाने की भी तैयारी कर रहे हैं। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ओर से जारी 2025 सेंट्रल बैंक्स गोल्ड रिजर्व सर्वे के मुताबिक, रिकॉर्ड कीमतों और लगातार 15 वर्षों से खरीद के बावजूद केंद्रीय बैंकों का सोने के प्रति आकर्षण अब भी बरकरार है। सर्वे के मुताबिक, आर्थिक अनिश्चितता और कई देशों में संघर्ष केंद्रीय बैंकों को भारी पड़ रहा है। इसलिए, वे जोखिम से बचने के लिए स्वर्ण भंडार और बढ़ाना चाहते हैं। सर्वे में शामिल 95 फीसदी केंद्रीय बैंकों का कहना है कि वे अगले 12 महीने में स्वर्ण भंडार में वृद्धि जारी रखेंगे। उभरते बाजारों एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के 48 फीसदी केंद्रीय बैंक 12 महीनों में स्वर्ण भंडार बढ़ाना चाहते हैं। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के 21 फीसदी केंद्रीय बैंकों की भी खरीद जारी रखने की योजना है। सर्वे में एक और अहम ट्रेंड सामने आया है कि आने वाले वर्षों में वैश्विक रिजर्व में अमेरिकी डॉलर का हिस्सा घट सकता है। 73 फीसदी केंद्रीय बैंकों ने पांच वर्षों में डॉलर होल्डिंग में बड़ी गिरावट का अनुमान जताया है। यूरो, रेनमिन्बी (चीनी मुद्रा) और सोने में निवेश बढ़ने की उम्मीद है।

श्रम मंत्रालय की योजनाओं से 50 लाख से अधिक असंगठित श्रमिकों को मिली राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रम मंत्रालय की कल्याणकारी योजनाओं से 50 लाख से अधिक बीड़ी, सिनेमा और खान श्रमिकों को राहत मिली है। राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के जरिए कार्यान्वित की जाने वाली इस योजना के तहत हर साल एक लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त होते हैं, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) पारदर्शी और समय पर संवितरण सुनिश्चित करता है।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि मंत्रालय की कई कल्याणकारी योजनाओं ने 50 लाख से अधिक श्रमिकों और उनके परिवारों को सहायता प्रदान की है। श्रम और रोजगार मंत्रालय की श्रम कल्याण महानिदेशालय (डीजीएलडब्ल्यू) के माध्यम से भारत में असंगठित श्रमिकों, विशेष रूप से बीड़ी, सिनेमा और खनन क्षेत्रों में जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित कल्याणकारी योजनाओं की एक श्रृंखला को लागू करना जारी रखा है। मंत्रालय ने जारी बयान में कहा, 50 लाख से अधिक श्रमिकों और उनके परिवारों पर सीधे प्रभाव डालने वाली ये योजनाएं सरकार की समावेशी और श्रम कल्याण रणनीति की आधारशिला हैं। इसके तहत कल्याण ढांचे के प्रमुख घटकों में से एक शिक्षा सहायता योजना है, जो बीड़ी, सिनेमा और गैर-कोयला खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए एक हजार रुपये से 25,000 रुपये तक की वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान करती है। मंत्रालय के मुताबिक ये लक्षित योजनाएं न केवल असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक सुरक्षा में सुधार लाती हैं, बल्कि सरकार के सबका साथ, सबका विकास के दृष्टिकोण को भी साकार करती हैं। राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के जरिए कार्यान्वित की जाने वाली इस योजना में हर साल एक लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त होते हैं, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) पारदर्शी और समय पर उसका वितरण सुनिश्चित करता है। स्वास्थ्य योजना के तहत हृदय रोग, किडनी प्रत्यारोपण, कैंसर, टीबी और छोटी सर्जरी जैसी गंभीर बीमारियों के लिए बतौर आर्थिक सहायता छोटी सर्जरी के लिए 30,000 रुपये से लेकर कैंसर के इलाज के लिए 7.5 लाख रुपये तक दिए जाते हैं, जिससे कम आय वाले श्रमिकों के लिए जीवन रक्षक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सुनिश्चित होती है।

ईरान-इजराइल संघर्ष से तेल बाजार में उथल-पुथल, कच्चे तेल और पेट्रोल की कीमतों में उछाल

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान। ईरान और इज़राइल के बीच जारी तनावपूर्ण हालात का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखने लगा है। तेल और पेट्रोल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ने की आशंका बढ़ गई है। अमेरिकी कच्चे तेल की कीमतों में 2.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो अब 73.90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। यह कीमत जनवरी के अंत के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। सोमवार को इसमें 1.7 प्रतिशत की गिरावट देखी गई थी, लेकिन ताजा तनाव के बाद फिर से इसमें तेजी आ गई। पिछले सप्ताह इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए अभूतपूर्व हवाई हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, जो अक्टूबर 2022 के बाद का सबसे बड़ा साप्ताहिक उछाल था। तेल की कीमतों में आई तेजी का असर पेट्रोल पंपों पर भी दिखने लगा है। अमेरिका में रेगुलर गैसोलिन का औसत मूल्य तीन सेंट की छलांग लगाकर 3.17 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गया है, जो आम नागरिकों के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है।

हिंदुस्तान जिंक की 12,000 करोड़ के निवेश से उत्पादन दोगुना करने की योजना

मुंबई। देश की प्रमुख जिंक उत्पादक वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक ने राजस्थान के देबारी में एक नया 250 किलोटन वार्षिक (केटीपीए) उत्पादन वाला एकीकृत जिंक धातु परिसर स्थापित करने के लिए 12,000 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी निवेश योजना की घोषणा की है। कंपनी ने शेयर बाजार की नियामक फाइलिंग में यह जानकारी देते हुये निदेशक मंडल ने अगले कुछ वर्षों में जिंक, सीसा और चांदी में अपनी उत्पादन क्षमता को दोगुना करने की कंपनी की व्यापक 'दो गुना विकास' रणनीति के तहत इस परियोजना को मंजूरी दी है। नये संयंत्र को अतिरिक्त खनन और मिलिंग क्षमताओं द्वारा समर्थित किया जाएगा और इसके 36 महीनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। निवेश को आंतरिक स्रोतों और ऋण के संयोजन के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा। कंपनी के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा, हम इस दो गुना विकास परियोजना की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं, जो भारत की आर्थिक प्रगति और बढ़ती बुनियादी ढांचे की मांग के अनुरूप है। यह कदम हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य बनाते हुए जिंक उत्पादन में हमारी आत्मनिर्भरता को बढ़ाता है। भारत के औद्योगिक विकास के अनुरूप विस्तार 2030 तक घरेलू इस्पात उत्पादन 30 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुंचने की उम्मीद है और बुनियादी ढांचे में निवेश में अनुमानित वृद्धि के साथ, भारत में जिंक की मांग अगले 5-10 वर्षों में दोगुनी हो जाएगी। हिंदुस्तान जिंक की पहले से ही भारत के प्राथमिक जिंक बाजार में 77 प्रतिशत हिस्सेदारी है और शीर्ष-5 वैश्विक चांदी उत्पादकों में से एक है।

सेल्सफोर्स की जैक्कार ग्रुप के साथ साझेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) सीआरएम कंपनी सेल्सफोर्स ने बाथरूम और लाइटिंग सॉल्यूशंस कंपनी जैक्कार ग्रुप के साथ साझेदारी की घोषणा की जिसका उद्देश्य जैक्कार ग्रुप के डिजिटल बदलाव में तेजी लाना है। सेल्सफोर्स की दक्षिण एशिया की अध्यक्ष एवं सीईओ अरुंधति भट्टाचार्य और जैक्कार ग्रुप के प्रवर्तक एवं निदेशक राजेश मेहरा ने संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। श्रीमती भट्टाचार्य ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य एक एआई-पावर्ड प्लेटफॉर्म के ज़रिए ग्राहक से जुड़ा सारा डेटा एक जगह लाने, फील्ड में काम करने वालों की उत्पादकता बढ़ाने तथा सारे कामकाज को आसान व बेहतर बनाना है। इस सहयोग से कंपनी को अपने अलग-अलग कारोबार में ग्राहकों से जुड़ाव को एक साथ लाने, कमाई बढ़ाने, उत्पादकता बेहतर करने और पूरे संचालन को ज्यादा स्मार्ट और असरदार बनाने में मदद मिलेगी और ये सब कुछ एक एआई-पावर्ड और मोबाइल-फर्स्ट प्लेटफॉर्म के ज़रिए होगा। उन्होंने कहा कि अपने डिजिटल बदलाव के तहत जैक्कार ग्रुप अब सेल्सफोर्स के कई सॉल्यूशंस का इस्तेमाल करेगा, जिससे उसके अलग-अलग कामों की कार्यक्षमता बेहतर हो सके। इसके लिए कंपनी के कंज्यूमर गुड्स क्लाउड का उपयोग शामिल है जिससे बिक्री की प्रक्रिया और तेज़ व असरदार होगी। इसके साथ ही सीपीक्यू और पार्टनर कम्युनिटी क्लाउड का उपयोग भी किया जायेगा जो प्राइसिंग को आसान बनाएंगे और कंपनी के पार्टनरों के साथ तालमेल को मज़बूत करेंगे तथा फील्ड सर्विस जिससे कंपनी की टीम और ठेकेदारों की फील्ड में बेहतर सेवा देने में मदद मिलेगी। यह सब मिलकर जैक्कार ग्रुप को स्मार्ट, तेज़ और ग्राहकों के लिए बेहतर अनुभव देने में मदद करेंगे। श्री मेहरा ने कहा कि दुनिया के 55 से ज़्यादा देशों में मौजूदगी और 12,000 से भी ज़्यादा कर्मचारियों वाली जैक्कार ग्रुप अब सेल्सफोर्स को अपने ग्राहकों से जुड़े सभी कामों के लिए अपनाने जा रहा है। यह समाधान कंपनी के मुख्य सेक्टरों जैसे बाथ और लाइट डिविज़न में पूरी तरह से इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि सभी ग्राहक सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म से बेहतर तरीके से चलाई जा सकें।

गूगल ने ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिये जारी किया सेफ्टी चार्टर

एजेंसी

नई दिल्ली। गूगल ने अपने उपभोक्ताओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने के लिये यहां सेफ्टी चार्टर की शुरुआत की। गूगल इंडिया की कंट्री मैनेजर प्रीति लोबाना ने यहां सेफर विद गूगल इंडिया समिट में सेफ्टी चार्टर की शुरुआत की घोषणा करते हुए कहा, ÷ भारत को विकसित बनाने के लिये, हमें इंटरनेट और अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे में विश्वास बनाना और उसे बनाये रखना होगा। हमारे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सिस्टम लगातार नये खतरों और घोटालों का पता लगाने के लिए विकसित होते रहते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटना, साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और जिम्मेदार कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को बढ़ावा देना है। गूगल की ये पहल भारत में अपने इकोसिस्टम को और अधिक सुरक्षित करने के लिए की गयी है।सेफ्टी चार्टर के तीन प्रमुख स्तंभ हैं, जिनमें पहला उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाना है, दूसरा उद्यम और सरकारी साइबर सुरक्षा को मजबूत करना है और तीसरा प्लेटफॉर्म डिजाइन और परिनियोजन में जिम्मेदार एआई को शामिल करना है। इसी के साथ गूगल ने अपने डिजीकवच के माध्यम से 17.7 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को सुरक्षा प्रदान की है, इसके लिए कंपनी ने एआई संचालित सिस्टम का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि गूगल प्ले प्रोटेक्ट के माध्यम से कंपनी ने लगभग छह करोड़ फ्रॉड ऐप्स को ब्लॉक किया है, इसके अतिरिक्त गूगल प्ले की सहायता से लगभग 4.1 करोड़ स्कैम ट्रांजेक्शन अलर्ट को जारी किया गया है।

साल 2024 में ही लगभग 13,000 करोड़ रुपयों की धोखाधड़ी रोकने में सहायता की है। जीमेल पर भी एडवांस्ड एआई सिस्टम का उपयोग करके हर महीने करोड़ों स्पैम ई-मेल को ब्लॉक किया जाता है।

गूगल सिक्योरिटी में इंजीनियरिंग की उपाध्यक्ष हीदर एडकिंस ने कहा,÷ एआई बचाव पक्ष की दुविधा को दूर कर रहा हैज हमने साइबर अपराधियों द्वारा उनका फायदा उठाने से पहले कमजोरियों का पता लगाने के लिए एआई का उपयोग किया है।

कौशल विकास के पांच में से दो उत्कृष्टता केंद्र हैदराबाद, चेन्नई में खुलेंगे : जयंत चौधरी

एजेंसी

हैदराबाद। कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने हैदराबाद और चेन्नई में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) में दो नए उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की घोषणा की है। श्री चौधरी ने कहा कि ये दोनों केंद्र देश में ऐसे पांच केंद्र विकसित करने की योजना के तहत स्थापित किए जाएंगे। श्री चौधरी सोमवार शाम हैदराबाद के कान्हा शांति वनम में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा आयोजित कौशल मंथन क्षेत्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे जिसमें दक्षिण के राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि ये केंद्र उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षक प्रशिक्षण और उभरते क्षेत्रों के साथ जुड़े विशेष कौशल के लिए राष्ट्रीय संदर्भ बिंदु के रूप में काम करेंगे। मंत्री ने कौशल विकास में कठोर, एक ही तरह के दृष्टिकोण से दूर जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, कौशल विकास में निर्धारित नियम नहीं हो सकते। हमें राज्यों को ऐसे समाधान तैयार करने के लिए सशक्त बनाना चाहिए जो उनके स्थानीय आर्थिक संदर्भों में निहित हों और उनके युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हों। तभी हम सार्थक प्रभाव और निरंतर परिवर्तन ला सकते हैं। श्री चौधरी ने राज्यों के लिए कौशल विकास के लिए अधिक रणनीतिक, परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया - जो भारत के युवाओं की आकांक्षाओं और अर्थव्यवस्था की उभरती मांगों के साथ गहराई से जुड़ा हो। उन्होंने राज्यों से आग्रह किया कि वे विश्व बैंक जैसे विशेषज्ञ निकायों के सहयोग से किए गए बारीक कौशल अंतर आकलन से सूचित स्थानीय कौशल योजनाओं को विकसित करने के लिए जिलाधिकारियों के साथ मिलकर काम करके एक विकेन्द्रीकृत और डेटा-संचालित नियोजन ढांचा अपनाएं।

अधिकांश लोग पांच वर्ष में वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने को लेकर आश्वस्त: रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के अधिकांश व्यक्ति अगले पांच वर्ष में अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने के प्रति आश्वस्त है क्योंकि उनका मानना है कि डिजिटल उपकरणों ने उनके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करना आसान बना दिया है।

वित्तीय क्षेत्र की कंपनी होम क्रेडिट इंडिया द्वारा आज जारी 'मैपिंग इंडियाज एस्पिरेशन्स- द ड्रीम्स इन एवरी वॉलेट' की थीम पर जारी द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025 रिपोर्ट में यह बात की गयी है। यह रिपोर्ट देश के दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है और एक लचीले, आशावादी और तेजी से डिजिटल हो रही आबादी की तस्वीर पेश करता है, जो न केवल जीवंत है, बल्कि अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए फल-फूल रहा है। इस सर्वेक्षण में शामिल लोगों से 73 प्रतिशत लोग 5 साल में वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने को लेकर आश्वस्त हैं जबकि 65 प्रतिशत का मानना है कि किफायती क्रेडिट वित्तीय आकांक्षाओं को गति दे रहा है। इसी तरह से 63 प्रतिशत लोगों का मानना है कि डिजिटल उपकरणों ने उनके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करना आसान बना दिया है।रिपोर्ट के अनुसार इस साल 57 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने आय में वृद्धि दर्ज की जबकि 50 प्रतिशत ने बचत की बात कही है जो पिछले वर्ष के 60 प्रतिशत से कम है। इसमें शामिल लोगों में से मात्र 12 प्रतिशत ने माना कि वे अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लेते हैं।

इसमें शामिल 26प्रतिशत जेन जेड ने अपनी आकांक्षाओं को तेजी से प्राप्त करने के लिए बेहतर नौकरी के अवसरों पर अधिक जोर दिया।

गोयल ने की आंध्र प्रदेश में तीन औद्योगिक नोड परियोजनाओं के विकास की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने विभिन्न औद्योगिक गलियारों की परियोजनाओं के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) के नेतृत्व वाले औद्योगिक नोड्स(केंद्रों) के विकास की प्रगति का आकलन किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री गोयल ने गुंटूर में तंबाकू बोर्ड के मुख्यायल पर हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे (सीबीआईसी) के अंतर्गत कृष्णापटनम औद्योगिक क्षेत्र, हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे (एचबीआईसी) के अंतर्गत ओर्वाकल औद्योगिक क्षेत्र और विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे (वीसीआईसी) के अंतर्गत कोप्पर्थी औद्योगिक क्षेत्र के विकास के कामों की समीक्षा की। आंध्र प्रदेश देश का एकमात्र राज्य है, जहां तीन अलग-अलग अंतरराज्यीय औद्योगिक गलियारों के तहत औद्योगिक नोड विकसित किये जा रहे हैं। इनमें कृष्णापटनम नोड का विविकास 2,006 एकड़ क्षेत्र में किया जा रहा है, जहां लगभग 10,500 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। इस नोड में एक लाख नौकरियों के अवसर मिलने का अनुमान है।इसी तरह राज्य में ओरवाकल नोड (2,621 एकड़) में 12,000 करोड़ रुपये का निवेश होने और लगभग 45,000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। राज्य में तीसरा औद्योगिक नोड कोप्पार्थी नोड (2,596 एकड़) है, जिसमें लगभग 8,800 करोड़ रुपये का निवेश अनुमानित है, और इसमें 54,000 व्यक्तियों को रोजगार मिल सकता है। विज्ञप्ति के अनुसार रविवार को आयोजित समीक्षा बैठक में श्री गोयल ने अधिकारियों को प्रत्येक औद्योगिक नोड के भीतर नवाचार-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करके प्रमुख निवेशकों और स्टार्टअप को आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने शुरुआती चरण के उद्यमों को पोषित करने और एक मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की सुविधा प्रदान करने के लिए समर्पित इनक्यूबेटर स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

आर्थिक वृद्धि के चलते 2030 तक वैश्विक तेल मांग का अगुवाई करेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक तेल मांग इस दशक के अंत तक तेजी से बढ़ती रहेगी। अमेरिका में सस्ता पेट्रोल और धीमी गति से इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने से खपत को समर्थन मिलने से शीर्ष आयातक चीन में यह 2027 में चरम पर होगी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने अपने पूर्वानुमान में कोई परिवर्तन नहीं किया है। आईईए ने कहा, मांग 2029 तक चरम पर होगी, लेकिन अनुमान है कि इलेक्ट्रिक वाहनों में वृद्धि के कारण चीन में मांग पहले ही चरम पर पहुंच जाएगी। वैश्विक मांग कुछ वर्षों में चरम पर होगी। हालांकि, उत्पादक समूह पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का मानना है कि खपत बढ़ती रहेगी, लेकिन खपत चरम पर पहुंचने का कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया है। आईईए की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, तेल की मांग 2029 तक 10.5 करोड़ बैरल प्रति दिन (बीपीडी) के उच्च स्तर पर पहुंच जाएगी। फिर 2030 में थोड़ी गिरावट आएगी। वैश्विक उत्पादन क्षमता 2030 तक 50 लाख बीपीडी से अधिक बढ़कर 11.47 करोड़ बीपीडी होने का अनुमान है। इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष ने मध्य पूर्व की आपूर्ति के लिए जोखिम को उजागर किया है। इससे शुक्रवार को तेल की कीमतें 5 फीसदी बढ़कर 74 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गईं।

साल 2050 तक देश में हो जाएंगे 50 करोड़ वाहन : सीईईडब्ल्यू का दावा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में वाहनों की संख्या वर्ष 2023 की 22.6 करोड़ से दोगुनी होकर साल 2050 तक लगभग 50 करोड़ हो जाएगी। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) के अध्ययन में यह दावा किया गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक इसमें दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 70 फीसदी होगी, जो 35 करोड़ से अधिक पहुंच जाएगी। वहीं, निजी कारें लगभग 3 गुना बढ़कर 9 करोड़ तक पहुंच सकती हैं। सीईईडब्ल्यू की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक वाहनों की संख्या में वृद्धि भीड़-भाड़, प्रदूषण और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे से जूझ रहे शहरों पर अतिरिक्त दबाव डालेगी। सीईईडब्ल्यू का अध्ययन भारत की वाहन संख्या, कुल स्वामित्व लागत और परिवहन ईंधन मांग के बारे में अपनी तरह का पहला जिला-स्तरीय अनुमान उपलब्ध कराते हैं।

सीईईडब्ल्यू की शोध के अनुमान के मुताबिक उत्तर प्रदेश में 9 करोड़ से अधिक वाहन होंगे, जबकि बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में वृद्धि देखने को मिलेगी। दूसरी तरफ जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट के कारण दक्षिणी राज्यों में स्थिरता नजर आएगी। दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे, थाने और अहमदाबाद जैसे शहरी और अर्ध-शहरी इलाके प्रमुख वाहन केंद्र बने रहेंगे, जिनका अनुमानित कुल वाहन स्टॉक में सामूहिक रूप से लगभग 10 फीसदी हिस्सा होगा। सीईईडब्ल्यू के इन अध्ययनों में पाया गया है कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की पहले से ही कुछ प्रमुख श्रेणियां, विशेष रूप से दोपहिया और तिपहिया वाहन, टैक्सी और निजी कारें लागत प्रतिस्पर्धी हैं, जिन राज्यों में ईवी पॉलिसी का समर्थन पहले से मौजूद है। यह शोध भारत के वाहन स्टॉक, स्वामित्व लागत और परिवहन ईंधन मांग के जिला स्तरीय अनुमान को प्रदान करता है। अध्ययन रिपोर्ट में पाया गया है कि इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहन पेट्रोल मॉडल्स की तुलना में बहुत कम परिचालन लागत प्रदान करते हैं। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन के लिए स्वामित्व की कुल लागत (टीसीओ) पहले से ही बहुत कम है। पेट्रोल मॉडल के लिए टीसीओ 2.46 रुपये प्रति किलोमीटर है, जबकि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए टीसीओ 1.48 रुपये प्रति किमी है। तिपहिया वाहन श्रेणी में ईवी आगे है, जिसका टीसीओ 1.28 रुपये प्रति किमी है, जबकि पेट्रोल तिपहिया वाहनों के लिए टीसीओ 3.21 रुपये प्रति किमी है। सीईईडब्ल्यू के फेलो हेमंत मल्या ने कहा, भारत का सड़क परिवहन सिस्टम निर्णायक दौर में प्रवेश कर रहा है। उन?होंने कहा कि परिवहन क्षेत्र में बदलाव से जुड़े फैसले सीधे तौर पर ईंधन आपूर्तिकर्ताओं और वाहन निर्माताओं को प्रभावित करते हैं। माल?या ने बताया कि जिलास्तरीय दृष्टिकोण के साथ कुल लागत विश्लेषण और ईंधन की मांग का अनुमान, नीति निर्माताओं और औद्योगिक नेतृत्व को स्वच्छ ईंधन, ज्यादा कुशल बुनियादी ढांचे, त्वरित इलेक्ट्रिफिकेशन और सतत परिवहन की दिशा में बदलाव की योजना बनाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराता है। वहीं, डॉ. हिमानी जैन सीनियर प्रोग्राम लीड सीईईडब्ल्यू ने कहा, भारत का परिवहन क्षेत्र त्रिकोणीय समस्याओं ऊर्जा सुरक्षा, भीड़-भाड़ और उत्सर्जन का सामना कर रहा है। जनसंख्या विस्तार और उपभोग के तरीके में बदलाव के साथ यात्री परिवहन और माल ढुलाई की मांग में वृद्धि होगी। सीईईडब्ल्यू के अध्ययन बताते हैं कि सामान्य परिस्थिति परिदृश्य में भारत को वाहनों की संख्या, ईंधन उपयोग और उत्सर्जन में गैर-सतत वृद्धि का सामना करना पड़ेगा।

मन्नारा चोपड़ा

पर टूटा दुखों का पहाड़, पिता का निधन, दो दिनों से बीमार थे

हमेशा अपने चेहरे पर मुस्कान रखने वाली फिल्म एक्ट्रेस और बिग बॉस फेम मन्नारा चोपड़ा पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. मन्नारा के पिता रमन राय हांडा का निधन हो गया है. वो कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. उनका इलाज चल रहा था लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका.

बॉलीवुड और टीवी की दुनिया में नाम कमा चुकीं एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा के घर में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. मन्नारा के पिता का निधन हो गया है. उनके पिता रमन राय हांडा अब इस दुनिया में नहीं रहे. खुद बिग बॉस फेम एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी शेयर की है. उनके पिता 71 साल के थे और पिछले 2 दिन से उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी.

रमन हांडा एक नामी वकील थे और वे दिल्ली हाई कोर्ट में काम करते थे.मन्नारा चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस बात की जानकारी साझा की है. उन्होंने पिता की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा– 'बहुत गहरे दुख और उदासी के साथ हमें ये सूचित करना पड़ रहा है कि 16 जून 2025 को हमारे प्यारे पिता का स्वर्गवास हो गया. वे हमारे परिवार का एक मजबूत स्तंभ थे.' मन्नारा ने आगे कहा अंतिम संस्कार की जानकारी शेयर की है. 18 जून 2025 को मुंबई के अंधेरी वेस्ट में अंबोली स्थित क्रीमेटोरिअम ग्राउंड में मन्नारा के पिता का अंतिम संस्कार हो गया .

प्रियंका और मन्नारा का रिश्ता क्या ?

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा मन्नारा चोपड़ा की कजिन हैं. मन्नारा भी अपना सरनेम चोपड़ा ही लगाती हैं क्योंकि उनकी मां चोपड़ा हैं. मन्नारा की मां कामिनी चोपड़ा प्रियंका के पिता अशोक चोपड़ा की बहन हैं. ऐसे में रिश्ते में प्रियंका और मन्नारा कजिन हैं. बिग बॉस में जब मन्नारा आई थीं तो प्रियंका ने इंस्टा पर स्टोरी लगाकर अपनी कजिन सिस्टर को सपोर्ट भी किया था. हालांकि दोनों बहने कम मौके पर ही साथ देखी गईं हैं.

बॉलीवुड में काम कर चुकी हैं मन्नारा चोपड़ा

मन्नारा चोपड़ा की बात करें तो उन्होंने साल 2014 में विवेक अग्निहोत्री की फिल्म जिद से अपने करियर की शुरुआत की थी. अपने 10 साल के करियर में उन्होंने तेलुगू, पंजाबी, तमिल, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में काम किया है. वहीं छोटे पर्दे की बात करें तो वे बिग बॉस 17 में नजर आई थीं और सेकंड रनरअप भी रही थीं. वर्क फ्रंट की बात करें तो वे ओही चन्न ओही रातां नाम की फिल्म में नजर आएंगी.

पूजा बनर्जी

कुणाल वर्मा पर लगा किडनैपिंग का आरोप! मारपीट कर फिल्ममेकर से ऐंठे 23 लाख रुपये

कुछ दिनों पहले टीवी के जाने-माने कपल पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा ने दावा किया था कि उनके कुछ करीबी दोस्तों ने ही उनके साथ धोखाधड़ी की है. उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना दर्द भी शेयर किया था. लेकिन अब इस कपल पर ही एक बंगाली फिल्ममेकर ने बेहद संगीन आरोप लगाए हैं. फिल्ममेकर श्याम सुंदर डे का कहना है कि गोवा में पूजा और कुणाल ने उनका अपहरण किया, उन्हें एक विला में कैद करके रखा और उनसे लाखों रुपये की वसूली भी की. इस मामले में डे की पत्नी मालबिका ने गोवा पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है.

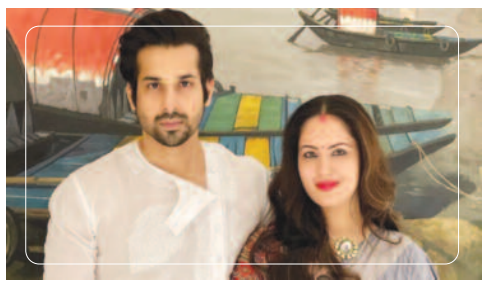

टाइम्स ऑफ इंडिया को श्याम सुंदर डे ने दिए बयान के मुताबिक जब वे गोवा में छुट्टियां मना रहे थे, तब एक दिन उनकी गाड़ी को सड़क पर एक काली जैगुआर ने घेर लिया. उसमें से दो लोग निकले और उन्हें गाड़ी से बाहर आने को कहा. डे को विश्वास है कि ये सारा मामला वहां की सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुआ होगा. शुरुआत में उन्होंने मना किया, लेकिन जब उन्होंने वहां पूजा बनर्जी को देखा, जिन्हें वो बहन मानते थे, तो उनका डर थोड़ा काम हो गया.

बहन जैसी दोस्त ने किया किडनैप

श्याम सुंदर डे का दावा है कि पूजा और कुणाल ने उन्हें अपनी कार में बिठाया और वहीं गोवा के अंबर विला ले गए. वहां उन्हें 1 जून से 4 जून तक जबरन कैद रखा गया. डे ने आरोप लगाया कि उन्हें उस विला से कहीं जाने नहीं दिया गया. वे हर दिन पूजा और कुणाल को समझाने की कोशिश करते रहे, उन्हें परिवार का हवाला देते रहे, लेकिन बदले में सिर्फ धमकियां मिलती रहीं.

मारपीट और जबरन कागजात पर साइन करवाने का आरोप

फिल्ममेकर श्याम सुंदर डे का कहना है कि कुणाल वर्मा और कुछ अन्य अज्ञात लोगों ने उनके साथ मारपीट की और ये सब कुणाल की पत्नी और फिल्म मेकर की दोस्त पूजा बनर्जी के सामने हुआ. उन्होंने ये भी बताया कि उनके दोनों मोबाइल फोन छीन लिए गए थे, हालांकि एक फोन उनके पास छोड़ा गया ताकि वे पैसों का इंतजाम कर सकें. डे के मुताबिक, इस दौरान उन पर कुछ संपत्ति के कागजात पर दस्तखत करने का भी दबाव डाला गया, जिसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि मामला हाथ से निकल चुका है.

बाथरूम से वीडियो बनाकर मांगी मदद

श्याम सुंदर डे ने पूजा और कुणाल की नजरों से बचकर किसी तरह विला के बाथरूम से चुपके से एक वीडियो बनाया और अपनी पत्नी मालबिका को पूरी घटना की जानकारी दी. मालबिका ने तुरंत गोवा पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 4 जून को श्याम सुंदर डे को सुरक्षित विला से बाहर निकाला.

पायरेसी से सलमान खान की 'सिकंदर' को लगा 90 करोड़ का चूना, इंश्योरेंस कंपनी से वसूलने की तैयारी में मेकर्स

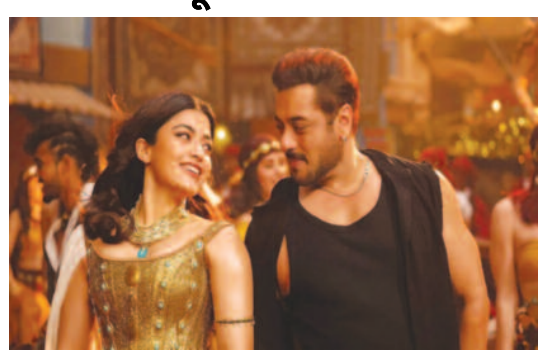

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई और ये बात किसी से छिपी नहीं है. 200 करोड़ के बजट में बनी 'सिकंदर' के मेकर्स को करोड़ों का नुकसान हुआ है. 'सिकंदर' के मेकर्स ने अब एक बड़ा कदम उठाया है. साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (एनजीईपीएल) कंपनी सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' को पायरेसी से हुए नुकसान के लिए 91 करोड़ रुपये का भारी बीमा दावा दायर करने का प्रोसेस जारी कर चुकी है.

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक प्रोडक्शन हाउस ने डिटेल्ड नुकसान आकलन के बाद, अपने डिजिटल पायरेसी बीमा कवर को लागू करने के बारे में चर्चा शुरू कर दी है. रिपोर्ट की मानें तो फिल्म के लीक होने के बाद क्या इम्पैक्ट पड़ा और इससे कितना नुकसान हुआ इसका अंदाजा लगाने के लिए ऑडिट को आदेश दिया गया था. अर्न्स्ट एंड यंग (ईएनवाई) ने एक डिटेल रिपोर्ट पेश की, जिसमें नुकसान लगभग 91 करोड़ रुपये आंका गया है.

'सिकंदर' को पायरेसी से हुआ 91 करोड़ का नुकसान

रिपोर्ट के अनुसार 91 करोड़ रुपये का आंकड़ा मॉडलिंग और मार्केट बेंचमार्किंग के बीच तुलना करने के बाद निकाला गया था. आमतौर पर ऑडिट लीक के बाद प्री-रिलीज़ बॉक्स ऑफ़िस प्रोजेक्शन, थिएटर-वार ऑक्यूपेंसी ट्रेंड और रिजन-वाइज कमाई में गिरावट को एनालाइस करता है. प्लेटफ़ॉर्म पर इललीगल डाउनलोड और स्ट्रीम की मात्रा को ट्रैक करने के लिए डिजिटल फुटप्रिंट ट्रेसिंग टूल का भी इस्तेमाल किया गया था.

कैसे निकाला जाता है पायरेसी से होने वाला नुकसान ?

इन आंकड़ों को अनुमानित बॉक्स ऑफिस नुकसान में कंवर्ट किया जाता है. ऐसे ऑडिट में अक्सर टिकटिंग प्लेटफ़ॉर्म, डिस्ट्रीब्यूटर्स रिपोर्ट और पायरेसी प्रसार के फ़ोरेंसिक ट्रेसिंग से डेटा का मिश्रण शामिल होता है.

91 करोड़ रुपये का आंकड़ा खुद से बनाया हुआ नहीं था. यह संभावित थियेटर और डिजिटल रेवन्यू के नुकसान में निहित है, रिपोर्ट की मानें तो ऑडिट में पाया गया कि 'सिकंदर' की पायरेटेड रिएक्शन सिनेमाघरों में रिलीज होने के कुछ ही घंटों बाद एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और अनऑथराइज्ड स्ट्रीमिंग साइट्स पर सरक्यूलेट की जा रही थीं.

जब गोविंदा के पास थी 70 फिल्में, एक दिन में इतनी पिक्चर की करते थे शूटिंग

हिंदी सिनेमा में गोविंदा ने जो शोहरत और मुकाम हासिल किया है वहां तक बहुत कम ही कलाकार पहुंच पाए हैं. बात एक्टिंग की हो, डांस की या फिर कॉमेडी कीज्हर मामले में गोविंदा नंबर 1 रहे हैं. 90 के दशक तक गोविंदा सिनेमा की दुनिया में सिक्का चलता था. उस दौर में अक्षय कुमार, अजय देवगन, आमिर खान, सलमान खान, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ जैसे स्टार्स भी थे, लेकिन गोविंदा की बात ही अलग थी. उनका एक अलग चार्म और स्टारडम था.गोविंदा आज चाहे फिल्मी दुनिया में एक्टिव न हों पर उन्होंने सफल होने के बाद वो दौर भी देखा जब उनके पास काम की कमी आई. हालांकि जब वो अपने करियर में पीक पर थे तब उनके पास एक बार तो 70 फिल्में थीं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि तब एक दिन में 'हीरो नंबर 1' कितनी फिल्मों की शूटिंग करते थे ?

जब गोविंदा के पास थीं 70 फिल्में

अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले गोविंदा के मेकर्स भी दीवाने थे. गोविंदा को अपनी फिल्मों में लेने के लिए मेकर्स में होड़ लगी रहती थी. ऐसे में एक बार तो उनके पास 70 फिल्में थीं. ये खुलासा खुद उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में किया था. उनसे सवाल किया गया था, 'सुना है कि आपके पास इस समय 50 से 60 फिल्में हैं ? क्या ये बात सही हैं ? इस पर अभिनेता ने कहा था, जी हां. मेरे पास 70 फिल्में थी बीच में.

एक दिन में कितनी फिल्मों की शूटिंग करते थे ?

गोविंदा ने आगे कहा था, आठ-दस पिक्चर अपने आप बंद हो गईं. चार-पांच पिक्चर मुझे डेट्स की कमी की वजह से छोड़नी पड़ीं. इसके बाद उनसे पूछा गया था, आप एक दिन में कितनी फिल्मों की शूटिंग करते है ? इस पर उन्होंने कहा था, ये सिचुएशन पर डिपेंड करता है. कभी दो कर लेता हूं, कभी तीन, कभी चार तो कभी एक दिन में 5 फिल्में भी शूट करता हूं.

गोविंदा की बेहतरीन फिल्में

गोविंदा ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत साल 1986 की फिल्म 'इल्जाम' से की थी. अपने करियर में उन्होंने 'कुली नंबर 1', 'हीरो नंबर वन', 'राजा बाबू', 'साजन चले ससुराल' 'पार्टनर', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'स्वर्ग' 'भागम भाग', 'जोड़ी नंबर 1', 'दूल्हे राजा', 'दीवाना मस्ताना' जैसी कई बेहतरीन फिल्में दी हैं.